महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षो से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 311 | उज्जैन, गुरुवार 23 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

खामोशी भी बोलती है, बस सुनने वाला चाहिए

किसानों को ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि के भूअर्जन पर मिलेगा बाजार दर का 4 गुना मुआवजा

छिन्दवाडा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिए 969 करोड़ रूपये के विशेष पुनर्वास पैकेज की स्वीकृति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए कृषि भूमि के भूअर्जन पर गुणन कारक (मल्टीफिकेशन फैक्टर) को दोगुना करते हुए 2.0 कर दिया गया है। इससे अब अधिग्रहित कृषि भूमि का मुआवजा किसानों को दोगुना के स्थान पर बाजार दर से 4 गुना प्राप्त होगा। यह निर्णय संपूर्ण प्रदेश की ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि के अधिग्रहण पर लागू होगा। मंत्रि-परिषद ने नगरीय सीमा में मुआवजा गुणन कारक को यथावत एक रखा गया है। मंत्रि-परिषद ने इसके साथ सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसे अधोसंरचना निर्माण तथा विकास के कार्यों के लिए लगभग 33 हजार 985 करोड़ रूपये की स्वीकृति भी दी है।

भू-अर्जन पर बाजार दर का 4 गुना मुआवजा मिलने से किसानों को होगा जबरदस्त फायदा- मंत्रि-परिषद ने किसानों के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मध्यप्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम 2015 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गुणन कारक को बढ़ाकर 2.0 कर दिया गया है, जिससे किसानों को अब उनकी कृषि भूमि का बाजार दर से 4 गुना मुआवजा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

इस निर्णय से सिंचाई परियोजनाओं, सड़क, पुल, रेलवे और बांध निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहित की जाने वाली कृषि भूमि पर किसानों को अधिक राशि मिल सकेगी। इससे न केवल विकास कार्यों में तेजी आएगी, बल्कि भूमि देने वाले किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, श्री राकेश सिंह और श्री चेतन्य कुमार काश्यप की उप-समिति ने अनुशंसा की थीं। उप-समिति ने अन्य राज्यों की नीतियों का अध्ययन करने के साथ ही विभिन्न् किसान संगठन क्रेडाई,सीआईआई और फिक्की से चर्चा के बाद यह रिपोर्ट तैयार की थी। सरकार के इस पारदर्शी और किसान-हितैषी निर्णय से प्रदेश के हजारों परिवारों को सीधा लाभ पहुँचेगा।

इन्दौख-रुदाहेड़ा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 157 करोड़ 14 लाख रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा उज्जैन जिले की इन्दौख- रुदाहेड़ा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की लागत राशि 157 करोड़ 14 लाख रूपये, सैंच्य क्षेत्र 10,800 हेक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है। परियोजना से झारड़ा तहसील के 35 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ होगा।

छिन्दवाड़ा सिंचाई काम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिए 969 करोड़ रूपये के विशेष पुनर्वास पैकेज की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिये स्वीकृत राशि 840 करोड़ 80 लाख रूपये के स्थान पर लगभग 969 करोड़ रूपये का विशेष पुनर्वास पैकेज स्वीकृति किया गया है। यह विशेष पैकेज त्वरित क्रियान्वयन व विस्थापितों के अपेक्षित सहयोग के लिए केन-बेतवा अन्तर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना के समकक्ष प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है।

छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना के अंतर्गत छिन्दवाड़ा जिले में संगम 1 बाँध, संगम 2 बाँध, रामघाट बांध एवं पांढुर्णा जिले में बेलेंसिग रिजर्वायर (पांढुर्णा) इस प्रकार कुल 4 बांध प्रस्तावित है, जिससे छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा जिलों के 1,90,500 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी । परियोजना से छिन्दवाड़ा जिले के 369 एवं पांढुर्णा जिले के 259 ग्राम इस प्रकार कुल 628 ग्राम लाभान्वित होंगे।

लोक निर्माण अंतर्गत विकास कार्यों के लिए 25,164 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा लोक निर्माण विभाग अंतर्गत विकास कार्यों के लिए 25,164 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार म..प्र. सड़क विकास निगम के माध्यम से सड़कों का निर्माण को 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर रखे जाने और संचालन के लिए 7 हजार 212 करोड़ रूपये, ग्रामीण सडकों एवं अन्य जिला मार्गों का निर्माण और उन्नयन के कार्य की निरंतरता के लिए 6 हजार 150 करोड रूपये, पुलों और सड़कों के उन्नयन के लिए 1 हजार 87 करोड़ रूपये, भवनों के मरम्मत और विभागीय परिसंपत्तियों के संधारण के लिए 765 करोड़ रूपये और वृहद पुलों का निर्माण की योजना को सोलहवें वित्त आयोग की अवधि (1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2031) तक में निरंतर रखे जाने और संचालन के लिए 9 हजार 950 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना और शैक्षणिक संस्थानों के उन्नयन के लिए 2,191 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत ग्राम क्षेत्रों में शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6 वीं एवं कक्षा 9 वी में अध्ययनरत विद्यार्थियों को साइकिल प्रदाय करने से संबंधित निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना को वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर रखने के लिए 990 करोड़ रूपये और शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं के वेतन भत्ते, कार्यालयीन व्यय एवं संस्थानों का सृदृढ़ीकरण से संबंधित 8 योजनाओं के संचालन के लिए 1,200 करोड़ 44 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

न्यूज ब्रीफ

डॉट, डॉट, डॉट; पहलगाम हमले की बरसी पर पाकिस्तान को राजनाथ सिंह की रहस्यमयी चेतावनी

नई दिल्ली/ जीएनएस। पहलगाम हमले की बरसी पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को रहस्यमयी चेतावनी दी है। उन्होंने तीन बार डॉट, डॉट, डॉट का जिक्र किया। रक्षा मंत्री ने जर्मनी में भारतीय समुदाय से बातचीत करते हुए ऑपरेशन सिंदूर की जमकर तारीफ की और कहा कि भारत के सभी पड़ोसी देश अच्छे हैं, सिवाय एक के, जो गड़बड़ी करता है। सिंह की यह टिप्पणी बुधवार, 22 अप्रैल को आई, कश्मीर के पहलगाम में हुए उस जानलेवा आतंकवादी हमले के ठीक एक साल बाद, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें से ज्यादातर आम नागरिक थे। जर्मनी में अपने संबोधन के दौरान, सिंह ने पाकिस्तान को एक इशारों-इशारों में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई पड़ोसी देश ने छेड़छाड़ करने की कोशिश करता है तो फिर ÷डॉट, डॉट, डॉट। ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना की तारीफ करते हुए, जिसे पिछले साल 7 से 10 मई के बीच पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में अंजाम दिया गया था और जिसका मकसद पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को तबाह करना था, सिंह ने कहा कि भारत की सेना अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो गई है। उन्होंने आगे कहा, ÷आपको यह बताने की जरूरत नहीं है कि हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में क्या किया है... हमारी सैन्य शक्ति भी पहले से ज्यादा मजबूत हो गई है। भारत ने दुनिया के किसी भी देश पर अपनी तरफ से कभी हमला नहीं किया है... लेकिन अगर कोई पड़ोसी देश ने छेड़छाड़ करने की कोशिश की तो डॉट, डॉट, डॉट... सभी पड़ोसी ठीक हैं, बस एक ही परेशानी वाला है। रक्षा मंत्री ने इस बारे में भी बात की कि कैसे भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर रहने से अब एक निर्यातक देश बन गया है। उन्होंने कहा, पहले, जब रक्षा की बात आती थी, तो अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए हम आयात पर निर्भर रहते थे, और हमारी निर्भरता आयात पर ही थी।

चुनाव से पहले ECI का बड़ा ऐक्शन, तमिलनाडु-पश्चिम बंगाल में 1072 करोड़ की नकदी-ड्रग्स जब्त

नई दिल्ली/ जीएनएस। चुनाव से पहले ECI का ऐक्शन ताबड़तोड़ जारी है। चुनाव आयोग ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि 2026 के विधानसभा चुनावों और उप-चुनावों के दौरान तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अवैध नकदी, शराब, नशीले पदार्थों, सोने-चांदी सहित कुल जब्ती का आंकड़ा 1,072.13 करोड़ रुपये पहुंच गया है। आयोग के अनुसार, 26 फरवरी से 22 अप्रैल 2026 तक, दोनों राज्यों में कुल 1,072.13 करोड़ रुपये की जब्तियां की गई हैं। इनमें तमिलनाडु में 599.24 करोड़ रुपये और पश्चिम बंगाल में 472.89 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त हुई है। आयोग के अनुसार, चुनावी उल्लंघनों से जुड़ी जब्तियों में दोनों राज्यों में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई है। चुनाव आयोग ने बताया कि दोनों राज्यों में फ्लाइंग स्क्वॉड टीमों और स्टैटिक सर्विलांस टीमों को व्यापक स्तर पर तैनात किया गया है। पश्चिम बंगाल में 5,011 फ्लाइंग स्क्वॉड टीमें और 5,363 स्टैटिक सर्विलांस टीमें सक्रिय हैं, जबकि तमिलनाडु में 2,728 फ्लाइंग स्क्वॉड टीमें और 2,221 स्टैटिक सर्विलांस टीमें कार्यरत हैं। आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट की सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी जोर दिया गया है कि आम नागरिकों को जांच के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े।

7 साल भारत में रहने वाली नेपाली बहुओं को मिल सकती है नागरिकता, ऑनलाइन करना होगा आवेदन

किशनगंज/ जीएनएस। ठाकुरगंज प्रखंड कार्यालय के परिसर में स्थित कौशल विकास केंद्र भवन में बुधवार को भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य भारत में निवास कर रही तथा भारतीय नागरिकों से विवाह कर चुकी नेपाली महिलाओं समेत अन्य पात्र लोगों को नागरिकता प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत कराना था।

इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अहमर अब्दाली ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत पंजीकरण के माध्यम से नागरिकता प्राप्त करने की विस्तृत जानकारी दी।

इन नेपाली महिलाओं को मिल सकती है भारत की नागरिकता- उन्होंने बताया कि भारतीय नागरिक से विवाह करने वाली नेपाली महिलाएं निर्धारित शर्तों के तहत पंजीकरण के माध्यम से भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए भारत में कम से कम सात वर्ष का निवास आवश्यक है।

ऑनलाइन करना होगा आवेदन- उन्होंने कहा कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और भारत सरकार के गृह मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। साथ ही पासपोर्ट, निवास प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र तथा पति या पत्नी की भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेजों की जानकारी भी दी गई। उन्होंने बताया कि लंबे समय से भारत में कानूनी रूप से रह रहे विदेशी नागरिक भी निर्धारित शर्तों को पूरा कर आवेदन कर सकते हैं।

शिविर के दौरान बीडीओ अहमर अब्दाली ने स्वयं महिलाओं से आवश्यक दस्तावेज लेकर उनकी प्रारंभिक जांच कराई। सुबह से ही शिविर में महिलाओं की अच्छी-खासी भीड़ रही। कई महिलाएं अपने स्वजनों के साथ पहुंचीं और आवश्यक कागजात के साथ आवेदन प्रक्रिया पूरी की।

उन्होंने बताया कि शिविर में कई आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनकी जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने नागरिकता आवेदन, दस्तावेजों और पात्रता मानदंडों से जुड़े सवाल पूछे, जिनका समाधान बीडीओ द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में बीडीओ ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी अफवाह या भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें तथा केवल सरकारी पोर्टल और अधिकृत कार्यालयों से ही जानकारी प्राप्त करें।

भारत को 100 परसेंट एथनॉल ब्लेंडिंग का रखना चाहिए लक्ष्य, नितिन गडकरी ने बताया क्यों है जरूरी

नई दिल्ली/ जीएनएस। एथनॉल ब्लेंडिंग और फ्लेक्स फ्यूल' को लेकर छिड़ी बहस के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को बड़ा बयान दिया है। नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा है कि देश को निकट भविष्य में 100 प्रतिशत एथनॉल ब्लेंडिंग हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह इसीलिए जरूरी है क्योंकि पश्चिम एशिया संकट के बीच तेल आपूर्ति की अनिश्चितताओं की वजह से देश का ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना बेहद अहम है। बता दें कि फ्लेक्स फ्यूल गाड़ी एक ऐसी गाड़ी होती है जिसमें पेट्रोल/डीजल इंजन लगा होता है लेकिन इसे एक से अधिक प्रकार के ईंधन पर चलने के लिए डिजाइन किया गया है। आमतौर पर पेट्रोल को एथनॉल या मेथनॉल के साथ मिलाकर फ्लेक्स फ्यूल के रूप में उपयोग किया जाता है। ब्राजील जैसे देशों में 100 प्रतिशत एथनॉल ब्लेंडिंग पहले से लागू है। गडकरी ने इंडियन फेडरेशनल ऑफ ग्रीन एनर्जी के हरित परिवहन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बन सकता है।

यूपी बीज निगम कर्मियों को मिलेगा सातवां वेतनमान, योगी सरकार ने लिया फैसला

लखनऊ/ जीएनएस। सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य बीज विकास निगम के कार्मिकों को सातवां वेतनमान दिए जाने का निर्णय लिया है। निगम होने के कारण अभी तक इन कर्मियों को अन्य सरकारी विभागों की तरह वेतन का यह लाभ प्राप्त नहीं हो सका था और छठवां वेतनमान ही मिल रहा था।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि राज्य बीज विकास निगम की वित्तीय स्थिति में वित्तीय वर्ष 2017-18 के बाद से, विशेषकर वित्तीय वर्ष 2019-20 से निरंतर लाभ अर्जित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 तक निगम का कुल संचित लाभ 143.07 करोड़ रुपये हो चुका है।

वहीं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम द्वारा 40 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित किया जाना संभावित है। निगम की इस सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और कर्मियों के समर्पण को देखते हुए ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्णय के बाद सातवें वेतनमान की फाइल को स्वीकृति प्रदान की गई है।

ओडिशा में बॉक्साइट खदानों के लिए रेलवे लाइन को मंजूरी, विरोध के बावजूद केंद्र का बड़ा कदम

भुवनेश्वर/ जीएनएस। हालिया हिंसा के बीच बड़ा फैसला लेते हुए केंद्र सरकार ने ओडिशा में सिजिमाली और कुत्रुमाली बॉक्साइट खदानों को जोड़ने के लिए समर्पित रेलवे लाइन परियोजना को मंजूरी दे दी है। रेलवे मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर इस परियोजना को 'स्पेशल रेलवे प्रोजेक्ट' का दर्जा प्रदान किया है।

इस परियोजना के तहत ईस्ट कोस्ट रेलवे के वॉल्टेयर डिवीजन में टीकिरी स्टेशन से सिजिमाली और कुत्रुमाली बॉक्साइट खदानों तक नई ब्रॉड गेज (बीजी) रेल लाइन बिछाई जाएगी। इससे खनिजों के परिवहन में तेजी आएगी और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब हाल ही में रायगड़ा जिले के कांतामाल क्षेत्र में सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। पुरुलंग से सगाबाड़ी घाटी तक 3 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण को लेकर हुए इस संघर्ष में करीब 70 लोग घायल हो गए थे, जिनमें 58 पुलिसकर्मी शामिल थे।

पीएम मोदी को आतंकवादी कहना मल्लिकार्जुन खरगे को पड़ा भारी, चुनाव आयोग ने 24 घंटे के अंदर मांगा जवाब

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत के चुनाव आयोग ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए उनकी आतंकवादी वाली टिप्पणी पर एक नोटिस जारी किया है।

इस टिप्पणी को चुनावी नियमों का संभावित उल्लंघन बताते हुए चुनाव आयोग ने मल्लिकार्जुन खरगे से 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा है।

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, किरण रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल और कई अन्य BJP नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ से PM मोदी के खिलाफ खरगे की आतंकवादी टिप्पणी के बारे में शिकायत की थी।

केंद्रीय मंत्रियों और बीजेपी नेताओं के शिकायत करने के कुछ घंटों बाद ही चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को नोटिस भेजा है। चुनाव आयोग ने मल्लिकार्जुन खरगे से इस टिप्पणी पर 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा है।

खरगे ने पीएम मोदी पर की थी विवादित टिप्पणी- चेन्नई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए खरगे ने मंगलवार, 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहा था।

खरगे ने बाद में इस टिप्पणी पर सफाई देते हुए स्पष्ट किया कि उनका मतलब था कि मोदी लोगों और राजनीतिक दलों को आतंकित कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहने से भी इनकार किया।

भाजपा ने चुनाव आयोग से कांग्रेस अध्यक्ष को इस टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का निर्देश देने का आग्रह किया।

आयोग को सौंपे गए ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत खरगे की टिप्पणियों के लिए उनके खिलाफ उपयुक्त दंडात्मक और नियामक कार्यवाही शुरू की जाए।

खरगे की आलोचना करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी न केवल अपमानजनक है, बल्कि यह लोकतांत्रिक संस्थानों पर एक खतरनाक और अभूतपूर्व हमला भी है।

जस्टिस स्वर्ण कांता ने बर्थडे पर भी किया एक्स्ट्रा काम, केजरीवाल पर रात 8 बजे तक सुनाया फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली के सियासी और न्यायिक गलियारों में इन दिनों आम आदमी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली हाईकोर्ट की जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बहस की खूब चर्चा हो रही है। केजरीवाल से जुड़ी याचिका पर फैसला सुनाने के लिए जज ने न केवल कोर्ट का समय खत्म होने के बाद तक काम किया, बल्कि उन्होंने अपने जीवन के सबसे श्रेष्ठ दिवस जन्मदिन को भी प्राथमिकता नहीं दी।

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, शाम के करीब 6ञ्10 बज रहे थे। आमतौर पर अदालतें खाली हो जाती हैं। इस समय जस्टिस शर्मा ने ओपन कोर्ट में अरविंद केजरीवाल के मामले में फैसला पढ़ना शुरू किया। यह फैसला कोई संक्षिप्त आदेश नहीं था। जस्टिस शर्मा को अपना निर्णय पूरा पढ़ने में 50 मिनट से अधिक का समय लगा।

दिलचस्प बात यह है कि इस फैसले की गंभीरता का अंदाजा दोपहर में ही लग गया था। दोपहर 2ञ्30 बजे कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से जुड़े एक अन्य महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई होनी थी। उस समय अदालत कक्ष में अभिषेक मनु सिंघवी, कपिल सिब्बल और एएसजी एस.वी. राजू जैसे दिग्गज कानूनी चेहरे मौजूद थे। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केजरीवाल मामले का फैसला तैयार करने की व्यस्तता के कारण वह लंच के बाद नहीं बैठ पाएंगी।

रात करीब 7ञ्30 बजे जब कोर्ट की कार्यवाही समाप्त हुई, तब कोर्ट रूम में मौजूद अधिवक्ताओं और कर्मियों को एक रोचक जानकारी मिली। जब किसी ने जस्टिस शर्मा को उनके जन्मदिन के बावजूद इतनी मेहनत करने और देर शाम तक फैसला सुनाने के लिए धन्यवाद दिया, तब अदालत का माहौल थोड़ा भावुक और सम्मानजनक हो गया। उन्होंने अपने संवैधानिक कर्तव्य को प्राथमिकता देकर एक मिसाल पेश की।

यह मामला अरविंद केजरीवाल द्वारा अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका से जुड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में उन्हें गिरफ्तार किया था। केजरीवाल का तर्क रहा है कि उनकी गिरफ्तारी चुनाव के समय राजनीति से प्रेरित है और इसके लिए पर्याप्त सबूत मौजूद नहीं हैं।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत पर की गई त्वरित कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के ग्राम अम्बामोलिया निवासी एक व्यक्ति द्वारा जनसुनवाई में की गई शिकायत पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन के अमले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाकर रास्ते को सुगम बनाया। ज्ञात रहे कि कल मंगलवार को सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को उमेश गंगोलिया निवासी ग्राम अम्बामोलिया तहसील खुड़ैल ने रास्ता पर अतिक्रमण संबंधी शिकायत की थी।

शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि उनके घर के पास 9 फीट का नाला है, उसके सामने 13 फीट रोड है। नाले में गंदगी एवं कचरा के कारण हमारे स्वास्थ पर दुष?प्रभाव पड़ रहा है। मुझ प्रार्थी की शादी भी है, जिसमें कई मेहमान एवं बच्चे आएंगे किसी प्रकार की कोई दुर्घटना ना हो इसलिए आवेदन दे रहा हूं।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर एसडीएम श्रीमती प्रियंका चौरसिया ने जाँच करायी। जाँच के दौरान पाया गया कि शिकायतकर्ता उमेश गंगोलिया का आबादी भूमि में स्थित उनके मकान के उत्तर एवं दक्षिण दिशा में रास्ता है। इनके मकान के उत्तर दिशा में नाला 9 फीट का है, जिसमें बारिश में गांव का एवं खेतों का पानी बहकर गांव की आशामती नदी में जाता है।

उक्त नाले पर शिकायतकर्ता द्वारा ही अतिक्रमण किया जाना पाया गया। शिकायतकर्ता का नाले पर 3 बाय 30 फीट का अतिक्रमण पाया गया, जिसे आज हटाया गया। इसके साथ ही नाले के आसपास स्थित अन्य 12 लोगों का भी अतिक्रमण पाया गया जिसे हटाया गया। मौके पर अतिक्रमण हटाया जाकर अस्थाई रूप से रास्ता चालू करवाया गया एवं ग्राम पंचायत को पक्का नाला निर्माण हेतु निर्देशित किया गया।

इस कार्रवाई की ग्रामीणों ने सराहना की है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर आयोजित जनसुनवाई का सकारात्मक परिणाम इस कार्रवाई को बताया। उन्होंने कहा कि इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

आबकारी वृत्त आंतरिक 2 द्वारा दोपहिया वाहन सहित 75 पाव देशी मदिरा जब्त

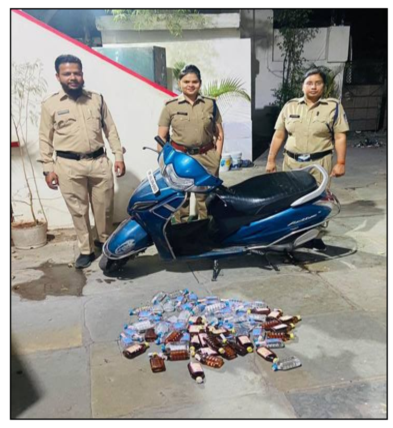

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेशानुसार एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में इंदौर जिले में अवैध मदिरा के क्रय- विक्रय , परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में मंगलवार को वृत्त आंतरिक 2 प्रभारी जया मुजाल्दे ने अपनी टीम के साथ बीजलपुर क्षेत्र में सायंकालीन गश्त के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना पर ट्रेजर टाउन कॉलोनी के पीछे छापरी नामक स्थान पर दोपहिया वाहन से 75 पाव देशी मदिरा मसाला व प्लेन के जब्त की गई। आबकारी का वाहन देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। आरोपी के विरुद्ध म.प्र.आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। जब्त मदिरा एवं वाहन की कुल कीमत लगभग 86000 रुपए निकाली गई है। आज की कार्यवाही में वृत्त प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक जया मुजाल्दे एवं आबकारी आरक्षक उस्मान मिर्जा, एलन बघेल और ड्राइवर रफीक का सराहनीय योगदान रहा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैन ने किया सांवेर जनपद एवं ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा आज जनपद पंचायत सांवेर कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं, संचालित शासकीय योजनाओं एवं उनकी प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। श्री जैन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा में लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अभिलेखों का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए उनके समुचित संधारण , कार्यों की गुणवत्ता एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्णता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत हासाखेड़ी में नवीन निर्मित अटल सुशासन भवन (ग्राम पंचायत भवन) का अवलोकन किया गया। साथ ही भ्रमण के दौरान जल गंगा संवर्धन कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

जर्जर पुल के कारण महू-घाटाबिल्लौद मार्ग पर यातायात प्रतिबंधित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन द्वारा इंदौर जिले के महू-घाटाबिल्लौद मार्ग पर महूगांव स्थित पुल की जर्जर स्थिति को देखते हुए यातायात को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं। मध्?यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा उक्त पुल का निरीक्षण किए जाने पर इसकी स्थिति अत्यधिक खराब पाई गई, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी।

यह मार्ग पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र एवं इन्दौर जिले को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, जिस पर भारी एवं यात्री वाहनों का आवागमन होता है। सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुल पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन बंद किया गया है। पुल का नवनिर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कर वर्षा ऋतु से पूर्व पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

यातायात व्यवस्था के लिए निर्धारित वैकल्पिक मार्ग-

1. थाना सिमरोल की ओर से महू पीथमपुर आने वाली भारी वाहनों को सिमरोल से तेजाजी नगर की ओर डायवर्ट किया जायेगा, जो तेजाजी नगर इन्दौर से फोरलेन होते हुए पीथमपुर पहुंच सकेंगे।
2. पीथमपुर चौपाटी से महू-सिमरोल तरफ आने वाले भारी वाहनों को ए0बी0 रोड़ इन्दौर की ओर डायवर्ट किया जायेगा, जो तेजाजी नगर इन्दौर से सिमरोल होते हुए खण्डवा की तरफ जा सकेंगे।
3. पास में ही छोटे वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार किया गया है, छोटे वाहन उससे गुजरेंगे।

अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 9 आरोपियों को किया गया जिलाबदर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 9 आरोपियों को जिलाबदर किया है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार आरोपियों को छ्- छ्- माह के लिये जिलाबदर किया गया है। उक्त सभी अपराधियों के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में अनेक अपराधिक प्रकरण दर्ज है। जिला बदर आरोपियों में मानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गिट्टी फोड़ा निवासी धर्मपाल उर्फ धनपाल पिता देवकरण सिंगारे , ग्राम खुर्दा निवासी रितिक पिता घनश्याम जयसवाल, ग्राम अम्बाड़ा सागलाखली निवासी जमनालाल पिता नारायण कटारे, ग्राम गोलखेड़ा निवासी सारंग पिता बोंदर गावड़, किसान मोहल्ला निवासी पम्मी उर्फ निजीत्व पिता परसराम जाट और बसौड़ मोहल्ला निवासी अभि उर्फ अभिषेक पिता अशोक मेढ़ा सम्मिलित है। इसी प्रकार महू थाना क्षेत्र मोती महल टॉकिज निवासी पप्पू उर्फ मोहम्मद मुकीम पिता असलम (भंगारवाला), पत्ती बाजार महू ?निवासी अजहर नूर पिता ईस्माईल नूर और कंचन विहार खान कॉलोनी निवासी मुदस्सर खान पिता गोहर खान शामिल है।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर इंदौर में निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर 25 अप्रैल को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर प्रांतीय राजपत्रित पशु चिकित्सक संघ एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग, इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में 25 अप्रैल 2026, शनिवार को एक निन्शुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर पशु चिकित्सालय राज मोहल्ला, एमओजी लाइन, इंदौर में प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होकर 1 बजे तक रहेगा।

शिविर में पशुपालकों एवं पशु प्रेमियों के लिए रेबीज टीकाकरण, पशु स्वास्थ्य परीक्षण, कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ परीक्षण तथा निन्शुल्क औषधि वितरण जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस आयोजन का उद्देश्य पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के साथ-साथ पशुपालकों को उन्नत पशुपालन सेवाओं से जोड़ना है। समस्त पशुपालकों, पशु प्रेमियों एवं स्वान प्रेमियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाएं और अपने पशुओं के स्वास्थ्य की जांच एवं उपचार सुनिश्चित करें।

जिले के 6 प्रमुख डाकघरों में 25 अप्रैल को लगेंगे विशेष आधार कैंप

धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। डाक विभाग द्वारा आम नागरिकों की सुविधा के लिए जिले के विभिन्न केंद्रों पर आगामी 25 अप्रैल को विशेष आधार कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। उप सम्भागीय निरीक्षक, डाक विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन कैंपों का मुख्य उद्देश्य आधार नामांकन और अपडेशन की प्रक्रिया को नागरिकों के लिए और अधिक सुगम बनाना है। समय और स्थान यह विशेष कैंप जिले के निम्नलिखित डाकघरों में प्रातः 08ः00 बजे से सायं 06ः00 बजे तक आयोजित किए जाएंगेः प्रधान डाकघर धार, उपडाकघर पीथमपुर सेक्टर-01, उप डाकघर पीथमपुर सेक्टर-03, उप डाकघर सरदारपुर, उप डाकघर राजगढ़ तथा उपडाकघर धामनोद में आयोजित किए जाएंगे। कैंप में मिलने वाली सुविधाएं कैंप के दौरान भारत सरकार द्वारा निर्धारित शुल्कों पर आधार कार्ड के नए नामांकन एवं अपडेशन का कार्य किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बच्चों के नए आधार कार्ड बनाने और अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेशन (Mandatory Biometric Update) की सुविधा पूर्णतः निन्शुल्क उपलब्ध रहेगी। टोकन वितरण एवं अपील भीड़ प्रबंधन और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा 23 अप्रैल से ही टोकन का वितरण शुरू किया जा रहा है। आधार अपडेशन के इच्छुक नागरिक समय रहते संबंधित डाकघर से अपना टोकन प्राप्त कर सकते हैं, ताकि कैंप के दिन कार्य सुगमता और शीघ्रता से पूर्ण हो सके। डाक विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस विशेष अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

इंदौर ने फिर रचा इतिहास - पीएम स्वनिधि योजना 2.0 में इंदौर देश में प्रथम स्थान पर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0 का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। नगर निगम इंदौर द्वारा किए गए विशेष प्रयासों के फलस्वरूप नगर निगम इंदौर ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0 के सफल क्रियान्वयन में पूरे देश में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर एक बार फिर देश में इंदौर का परचम फहराया है।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशन में नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्रारंभ से लेकर वर्तमान तक कुल 33,332 ऋण प्रकरणों का वितरण बैंकों के माध्यम से किया गया है, जिससे इंदौर शहर ने देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। स्वच्छता में देश का सिरमौर इंदौर अब आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में भी अग्रणी बनकर उभरा है। इस उपलब्धि पर महापौर श्री भार्गव एवं आयुक्त श्री सिंघल ने शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारियों तथा योजना के क्रियान्वयन में सहयोग करने वाले सभी विभागों एवं एजेंसियों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत इंदौर को 33,028 प्रकरणों का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसके विरुद्ध नगर निगम द्वारा 52,156 प्रकरण बैंकों को प्रेषित किए गए। इनमें से 34,809 प्रकरण स्वीकृत हुए तथा 33,332 हितग्राहियों को ऋण वितरित कर लाभान्वित किया गया।

देश स्तरीय रैंकिंग में इंदौर 33,332 प्रकरणों में ऋण वितरण के साथ प्रथम स्थान पर रहा। 25,829 प्रकरणों के साथ बेंगलूरू महानगर पालिका (बीबीएमपी) दूसरे स्थान पर तथा 24,843 प्रकरणों में ऋण वितरण के साथ ग्रेटर मुंबई तीसरे स्थान पर रहा।

आयुक्त नगर निगम श्री क्षितिज सिंघल ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का प्रारंभ जून 2020 में हुआ था, जिसका उद्देश्य शहरी रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को बिना गारंटी के कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत प्रारंभिक रूप से 10,000, 20,000 एवं 50,000 तक के ऋण प्रदान किए जाते थे।

अब योजना को पुनर्गठित कर इसकी अवधि मार्च 2030 तक बढ़ा दी गई है। पीएम स्वनिधि योजन 2.0 के तहत ऋण की राशि अब 10,000 की राशि बढ़ाकर 15,000 की गई हैं। वहीं 20,000 की राशि बढ़ाकर 25,000 रूपये तथा 50,000 की राशि यथावत रखी गई है। दूसरी ट्रेंच पूर्ण करने पर 30,000 तक की क्रेडिट कार्ड सुविधा भी दी गई है। यह योजना गत 17 सितम्बर 2025 को पुनः प्रारंभ की गई तथा 01 अक्टूबर 2025 से पोर्टल प्रभावशील है।

नगर निगम इंदौर द्वारा गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में ऋण वितरण 15,000 के 16,922 प्रकरण, 25,000 के 10,117 प्रकरण तथा 50,000 के 5,989 प्रकरण, इस प्रकार कुल 33,028 का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिसके विरूद्ध नगर निगम द्वारा 51,000 से अधिक प्रकरण बैंकों को भेजकर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत प्रथम ट्रेंच में 1,19,025, द्वितीय ट्रेंच में 50,719 तथा तृतीय ट्रेंच में 17,807 ऋण प्रकरण स्वीकृत हुए । इस प्रकार कुल मिलाकर 1,87,590 ऋण प्रकरण स्वीकृत हुए तथा 322.08 करोड़ की राशि हितग्राहियों को वितरित की गई।

स्कूली बसों में लगाना होंगे स्पीड गवर्नर - बसों में सुरक्षा के अन्य प्रबंध भी जरूरी

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में शैक्षणिक वाहनों के सुरक्षित संचालन को लेकर बैठक सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय में आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में शैक्षणिक वाहनों के सुरक्षित संचालन एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, कॉलेज संचालक, निजी शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विद्यार्थियों के परिवहन में उपयोग होने वाले वाहनों के सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश (गाईडलाइन) जारी की गई। इस गाईडलाइन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षा प्रबंधों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। किसी भी तरह समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लापरवाही पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती शांता स्वामी भार्गव, जिला परियोजना समन्वयक श्री संजय मिश्रा भी विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सभी स्कूल एवं कॉलेज संचालकों को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी शैक्षणिक वाहनों की नियमित जांच कराई जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनमें सभी आवश्यक सुरक्षा मानक पूर्ण रूप से मौजूद हों। निर्देश दिए गए कि प्रत्येक बस में अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से लगाया जाए, लेकिन केवल उपकरण लगाने तक सीमित न रहें, बल्कि स्कूलों में समय-समय पर सुरक्षा मॉक ड्रिल भी आयोजित की जाए, ताकि विद्यार्थियों और स्टाफ को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित बचाव के तरीकों की जानकारी हो।

कलेक्टर श्री वर्मा ने स्कूलों में संचालित रसोईघर एवं मध्यान्ह भोजन व्यवस्थाओं की सुरक्षा को लेकर भी विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी संभव हो, स्कूलों की रसोई में पीएनजी कनेक्शन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए, क्योंकि यह अपेक्षाकृत सुरक्षित व्यवस्था है। साथ ही मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच की जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध हो सके।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि स्कूली यूनिफॉर्म और किताबों के संबंध में किसी प्रकार की मोनोपॉली नहीं रहे। अभिभावकों को परेशानी न हो। स्कूल यूनिफॉर्म, किताबें एवं अन्य आवश्यक सामग्री की सुगमता से उपलब्धता हो। किसी प्रकार की एकाधिकार व्यवस्था (मोनोपॉली) नहीं रहे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कॉलेज परिसरों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि इसके नियंत्रण के लिए विशेष समितियों का गठन किया जाए। यह समितियां नियमित रूप से निगरानी रखें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी विद्यार्थी नशे की गतिविधियों में संलिप्त न हो। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए।

बैठक में बताया गया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी स्कूल बसों में स्पीड गवर्नर लगाया जाना अनिवार्य है। बसों में छोटे-छोटे बच्चे सफर करते हैं , इसलिए वाहन की गति नियंत्रित रहना बेहद आवश्यक है। यह केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा बेहद महत्वपूर्ण प्रावधान है, जिसका सभी स्कूल संचालकों को गंभीरता से पालन करना होगा। यह भी निर्देश दिए गए कि बसों में बच्चों को ड्रायवर के केबिन में किसी भी स्थिति में न बैठाया जाए। विद्यार्थियों को केवल निर्धारित सीटों पर ही बैठाया जाए, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को कम किया जा सके। क्षमता से अधिक बच्चों को नहीं बैठाया जाए। सभी स्कूल संचालकों को बस चालकों एवं वाहनों से संबंधित संपूर्ण जानकारी संबंधित संकुल स्तर पर जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस जानकारी में चालक का नाम, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज शामिल रहेंगे, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन के पास संपूर्ण रिकॉर्ड उपलब्ध रहे।

बसों के लिए जारी गाईडलाइन- सभी स्कूल बसों का रंग पीला होना अनिवार्य है। बसों के आगे और पीछे स्पष्ट रूप से स्कूल बस अंकित होना चाहिए। यदि बस किसी एजेंसी से अनुबंध पर ली गई है तो उस पर ऑन स्कूल ड्यूटी लिखा होना आवश्यक होगा।

देश की 10 सेफ सिटीज में मध्यप्रदेश से एकमात्र धार का चयन, 10 करोड़ की मंजूरी

धार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार- महू संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद एवं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर निरंतर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। उनके सक्रिय नेतृत्व और दूरदर्शी प्रयासों के परिणामस्वरूप आज लोकसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। आधारभूत संरचना से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक, हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। इसी क्रम में धार जिले को एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई है। मंत्री के विशेष प्रयासों से केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा निर्भया फंड के अंतर्गत धार को 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत संकल्प का प्रतीक है। गौरतलब है कि वर्ष 2026 के लिए देशभर के 10 प्रमुख शहरों को सेफ सिटीज परियोजना के अंतर्गत चयनित किया गया है, जिनमें मध्यप्रदेश से एकमात्र ऐतिहासिक नगरी धार को स्थान मिला है। यह चयन धार जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है, जो क्षेत्र के विकास और सुरक्षा के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस परियोजना के तहत धार एवं लोकसभा क्षेत्र के चयनित स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य योजना तैयार की जाएगी। आधुनिक तकनीकों जैसे सीसीटीवी निगरानी, स्मार्ट लाइटिंग, महिला हेल्प डेस्क, त्वरित पुलिस सहायता व्यवस्था तथा सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा।

सार्वजनिक स्थलों को बनायेंगे महिलाओं के लिये भयमुक्त और सुविधायुक्त

देश की 10 चयनित 10 सेफ सिटीज में धार शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2026 के लिए देश भर के 10 प्रमुख शहरों को सेफ सिटीज परियोजना के अंतर्गत चयनित किया गया है, जिसमें मध्यप्रदेश से ऐतिहासिक नगरी धार को शामिल किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा शत-प्रतिशत वित्त पोषित इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए धार जिले को 10 करोड़ रुपये की राशि आवंटित किए जाने का प्रावधान किया गया है।

देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए वर्ष 2013 में निर्भया फंड की स्थापना की गई थी, जिसके बाद वर्ष 2015 में स्मार्ट सिटी मिशन के माध्यम से शहरी विकास और सुरक्षा के मानकों को नया आयाम दिया गया। धार जिले में यह परियोजना न्यूनतम 05 वर्षों के लिए क्रियान्वित की जाएगी। इस योजना का मुख्य केंद्र बिंदु सार्वजनिक स्थानों को महिलाओं के लिए पूरी तरह भयमुक्त और सुविधायुक्त बनाना है।

परियोजना के अंतर्गत धार शहर में समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी और संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवाओं को महिला अनुकूल बनाने के लिए जिला अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में महिलाओं एवं उनके परिजनों के लिए विशेष वेटिंग एरिया का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक स्थानों पर पिंक टॉयलेट का निर्माण और पर्यटन स्थलों पर महिला अनुकूल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार इस परियोजना का अभिन्न हिस्सा है।

भौतिक संसाधनों के साथ-साथ यह योजना महिलाओं के मानसिक और सामाजिक सशक्तिकरण पर भी बल देती है। इसके तहत जिले में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों का संचालन किया जाएगा , जिससे महिला सुरक्षा के प्रति समाज में संवेदनशीलता बढ़े।

धार के ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व को देखते हुए, यहाँ आने वाली महिला पर्यटकों के लिए विशेष सुविधाओं का विकास जिले की वैश्विक छवि को और अधिक सुरक्षित और सुलभ बनाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस परियोजना के त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। इससे आगामी वर्षों में धार जिला महिला सुरक्षा के मामले में एक राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभर सके।

रतनगढ़ पुलिस का आधी रात को ताबड़तोड़ एक्शन ! खेत में दबिश देकर डोडाचूरा के साथ 3 तस्कर दबोचे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर प्रदेशभर में चल रहे नशाविरोधी अभियान के अंतर्गत रतनगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में डोडाचूरा और पोस्तादाना बरामद किया है।

रतलाम रेंज के उप पुलिस महानिरीक्षक निमिष अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसौदिया तथा एसडीओपी जावद रोहित राठौर के निर्देशन में थाना रतनगढ़ पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई।

घटना का विवरण- दिनांक 20-21 अप्रैल 2026 की मध्य रात्रि को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम आलोरी गरवाड़ा क्षेत्र में कुछ व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी में लिप्त हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा ग्राम आलोरी गरवाड़ा स्थित एक खेत पर दबिश दी गई, जहां तीन व्यक्तियों को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया।

जप्त मादक पदार्थ- 101 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा (अनुमानित कीमत 10,00,000)

15 किलो 500 ग्राम पोस्तादाना (अनुमानित कीमत 19,375)

पुलिस ने मौके से उक्त मादक पदार्थ को विधिवत जब्त किया और प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्रवाई की।

गिरफ्तार आरोपी- राहुल पिता कल्याणमल धाकड़, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम आलोरी गरवाड़ा, थाना रतनगढ़, जिला नीमच (म.प्र.)

समीर पिता एहसान मंसूरी (मुस्लिम), उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम आलोरी गरवाड़ा, थाना रतनगढ़, जिला नीमच (म.प्र.)

अयान पिता अजगर अली (मुस्लिम), उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम आलोरी गरवाड़ा, थाना रतनगढ़, जिला नीमच (म.प्र.)

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपीगण अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी एवं चोरी में संलिप्त थे। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध NDPS Act 1985 की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना रतनगढ़ पुलिस टीम के साथ साइबर सेल की भी अहम भूमिका रही। पुलिस अब इस गिरोह के नेटवर्क, सप्लाई चैन और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

सड़क कम, गड्ढों का साम्राज्य ज़्यादा मंदसौर की सड़कों पर जिंदा हुआ नाटक 'गड्ढा'

अंबेडकर चौराहे से पशुपतिनाथजी मार्ग तक हालात बेहाल, जिम्मेदार रोज़ गुजरते हैं, फिर भी खामोशी बरकरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रगतिशील सामाजिक चिंतक असअद अंसारी ने नगर पालिका क्षेत्र की बदहाल सड़कों पर तीखा व्यंग्य करते हुए कहा है कि मंदसौर की सड़कों की स्थिति अब केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि एक जीवंत नाटक बन चुकी है–और वह भी ठीक वैसा ही, जैसा शंकर शेष के चर्चित नाटक गड्ढा में दिखाया गया था।

अंसारी ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि अंबेडकर चौराहे से लेकर मछली मार्केट होते हुए पशुपतिनाथजी मंदिर जाने वाला मार्ग, जो डेक्स्टर ग्लोबल स्कूल, बस स्टैंड और शहर की मुख्य आवाजाही को जोड़ता है, आज अपनी बदहाली पर खुद रो रहा है। स्थिति यह है कि राहगीरों को समझ ही नहीं आता कि वे सड़क पर चल रहे हैं या गड्ढों के बीच रास्ता खोज रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इस मार्ग से प्रतिदिन न्यायाधीश, प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विधायक, पार्षद और नेता सभी गुजरते हैं। लेकिन, शायद इन गड्ढों ने भी अब वीआईपी व्यवहार सीख लिया है, जो केवल आम जनता को ही झटका देते हैं, जिम्मेदारों को नहीं। अंसारी ने याद दिलाया कि वर्षों पहले उनकी इप्टा टीम ने गड्ढा नाटक का मंचन किया था, जिसमें व्यवस्था की खामियों पर करारा व्यंग्य था। आज वही व्यंग्य हकीकत बनकर शहर की सड़कों पर फैला हुआ है, फर्क सिर्फ इतना है कि तब लोग हंसते थे, अब झुंझलाते हैं। उन्होंने कहा कि पशुपतिनाथ जैसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध धार्मिक स्थल की ओर जाने वाला यह मार्ग यदि ऐसी दुर्दशा में है, तो यह केवल नगर पालिका की विफलता नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की संवेदनहीनता का प्रतीक है। अंत में अंसारी ने मांग की कि तत्काल इस मार्ग का समुचित निर्माण कराया जाए, अन्यथा जनता को मजबूर होकर सड़कों पर उतरकर नाटक को आंदोलन में बदलना पड़ेगा–जहाँ दर्शक भी जनता होगी और पात्र भी।क्या वार्ड पार्षद नगरपालिका अध्यक्ष,विधायक और अधिकारी इस तरफ ध्यान देंगे। जब सड़कें गड्ढों में बदल जाएं, तो समझ लीजिए कि व्यवस्था भी कहीं न कहीं धंस चुकी है।

बिंदौली बनी रणभूमिः शादी में तलवारबाजी, दो सगे भाइयों पर जानलेवा हमला

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जीरन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जेतपुरा पालसोड़ा में शादी का खुशियों भरा माहौल उस वक्त दहशत में बदल गया, जब बिंदौली कार्यक्रम के दौरान दो सगे भाइयों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। 20 अप्रैल की शाम हुई इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, गांव में पारिवारिक विवाह समारोह के तहत बिंदौली निकाली जा रही थी। इसी दौरान महेंद्र रावत, गोविंद रावत और नारायण रावत मौके पर पहुंचे और विशाल नायक से विवाद करने लगे। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने तलवार से हमला कर दिया।

हमला इतना खतरनाक था कि वार से विशाल नायक का बेल्ट कट गया और कपड़े फट गए। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अपने भाई को बचाने पहुंचे नरेंद्र सिंह नायक पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया, जिससे दोनों भाइयों के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं।

घटना के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। परिजन और ग्रामीण घायलों को तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है।

घायल विशाल नायक के अनुसार, आरोपी बिना किसी ठोस कारण के आए और जान से मारने की नीयत से हमला किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित पक्ष की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

3 साल से 20 हजार के ईनामी आरोपी को थाना नारकोटिक्स सेल इंदौर एवं मंदसौर की टीम ने पकड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 3 साल से 20 हजार के ईनामी आरोपी को थाना नारकोटिक्स सेल इंदौर एवं मंदसौर की टीम ने पकड़ा है। दोनों के संयुक्त प्रयास से आरोपी हरिराम विश्नोई गिरफ्त में आ पाया है।

नशे पर प्रहार अभियान के तहत पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के सतत दिशा निर्देशों के पालन में, डी. श्रीनिवास वर्मा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, नारकोटिक्स विंग भोपाल के मार्गदर्शन में महेश चंद जैन उप-पुलिस महानिरीक्षक नारकोटिक्स विंग इंदौर के नेतृत्व में संतोष हाडा उप-पुलिस अधीक्षक नारकोटिक्स विंग इंदौर की टीम द्वारा दिनांक 22 अप्रैल को थाना नारकोटिक्स सेल इंदौर के अपराध क्रमांक 04/23 धारा 8/18, 29, 25 एनडीपीएस एक्ट में पिछले 03 वर्षो से फरार चल रहे फरार ईनामी आरोपी हरिराम पिता भैयाराम बिश्नोई निवासी कारावड़ी थाना झाब तहसील सांचौर जिला जालौर को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि तीन वर्ष पूर्व 28 अप्रैल 2023 में महू नीमच फोरलेन रोड से नारकोटिक्स विंग इंदौर की टीम ने एक ट्रक पकड़ा था। जिसमें से 80 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम जप्त की गयी थी एवं सुजानाराम नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी से पूछताछ में संदेही हरीराम पिता भैयाराम विश्नोई का नाम लिया गया था, जिसकी तलाश हेतु नारकोटिक्स टीम सतत प्रयास कर रही थी। हरिराम काफी समय से मणिपुर इंफाल में छिपा हुआ था। कुछ दिन पूर्व से हरिराम की लोकेशन राजस्थान क्षेत्र की प्राप्त होने लगी थी।

मुखबीर से निरंतर संपर्क करने पर कार्यवाही करते समय अपनी व्यावसायिक दक्षता अनुभव का परिचय देते हुए नारकोटिक्स टीम ने 4 दिनो के अथक प्रयास से संदेही हरिराम को गिरफ्तार करने में सफल रही। उपरोक्त कार्यवाही में थाना नारकोटिक्स सेल इंदौर के निरी. राकेश चौधरी निरी. भारत चावड़ा, उनि. अजय कुमार शर्मा, हमराह आर .अभिषेक द्विवेदी, आर. प्रदीप पाल आर. विवेक कुशवाह, आर. इंद्रेश भदोरिया, आर. योगेश कदम का सराहनीय योगदान रहा है। वरिष्ठ अधिकारी महोदय द्वारा उद्घोषित इनाम तत्काल देने एवं पूरी टीम को साहस पूर्ण एवं सफलतापूर्वक कार्य को अंजाम देने पर हर्ष व्यक्त किया है।

पोषण पखवाड़ा के तहत जिले में पाँच स्थानों पर, निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर एवं मातृ-शिशु पोषण जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पोषण पखवाड़ा÷ के तहत नीमच जिले में पाँच स्थानों पर निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर एवं मातृ एवं शिशु पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिविरों का आयोजन आयुष्मान आरोग्य मंदिर चिताखेड़ा द्वारा ग्राम रामनगर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर थडोद द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-2, शासकीय आयुर्वेद औषधालय हरवार द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-2, शासकीय आयुर्वेद औषधालय नीमच सिटी द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-71 एवं शासकीय आयुर्वेद औषधालय मनासा द्वारा ग्राम जमुनिया रावजी के आंगनवाड़ी केंद्र पर किया गया।

इन शिविरों में आमवात, संधिवात, चर्म रोग, श्वास, कास, प्रतिश्याय, उदर रोग, रक्ताल्पता, उच्च रक्तचाप, अर्श, अम्लपित्त, अग्निमांद्य, ज्वर, विबंध, साइटिका, प्रमेह आदि रोगों की जांच कर रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। साथ ही रक्तचाप की निःशुल्क जांच की गई एवं विभिन्न पौष्टिक आहार सामग्रियों के स्टॉल के माध्यम से उनकी उपयोगिता की जानकारी दी गई। कार्यक्रमों में गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को संतुलित आहार, सुपोषण, स्तनपान के महत्व एवं जन्म से 2 वर्ष तक के बच्चों के समुचित पोषण के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही मौसमी बीमारियों से बचाव, तनाव मुक्ति एवं स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के बारे में आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। शिविरों में डॉ.तारेन्द्र सिंह सोनगरा, डॉ.आर.पी.वर्मा, डॉ.नीरज भाटी, डॉ.मदनलाल पाटीदार, डॉ. सीमा पाटीदार सहित श्री जगदीश इरवार, श्रीमती संजू भदौरिया, श्री आजाद मंसूरी, श्री दिलीप कुमार टिपण एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं ने सेवाएं एवं सहयोग प्रदान किया। इन शिविरों में कुल 238 हितग्राहियों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया, जिनमें चिताखेड़ा में 41, हरवार में 54, नीमच सिटी में 36 एवं मनासा में 67 हितग्राही सम्मिलित है।

बुलेट के पटाखा साइलेंसर तथा मॉडिफाई साइलेंसरो को रोड रोलर से कुचलकर नष्ट कराया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देशन में शहर में पटाखा आवाज करने वाली बुलेट तथा अन्य मॉडिफाई साइलेंसर वाले दो पहिया वाहनों पर थाना यातायात द्वारा विगत महीनों में वाहन चेकिंग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए कई साइलेंसरों को खुलवाया गया तथा थाने पर रखवाया गया और वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। पटाखे जैसी तेज आवाज से शहर के वातावरण में ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले ऐसे वाहनों 48 वाहनों पर 55,000 रुपये जुर्माना किया गया। इसके अतिरिक्त आज पुलिस लाइन मंदसौर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल, नगर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र भास्कर की मौजूदगी में ऐसे 48 साइलेंसर को अपीलीय अवधि पश्चात रोड रोलर द्वारा कुचलवाकर नष्ट करवाया गया।

मंदसौर में पोस्ट ऑफिस द्वारा आधार कार्ड संबंधित सेवाओं के लिए विशेष अभियान 25 अप्रैल को

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डाक संभाग द्वारा आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डाकघरों (पोस्ट ऑफिस) के आधार एनरोलमेंट एवं अपडेशन सेवा केन्द्रों पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत नवीन आधार पंजीयन, आधार कार्ड में सुधार, बायोमेट्रिक अपडेट तथा आधार डेटा में मोबाइल एवं ईमेल लिंक कराने जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

यह विशेष अभियान 25 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जाएगा। इसके लिए 23 एवं 24 अप्रैल को टोकन वितरण किया जाएगा। अभियान के दिन 25 अप्रैल को सभी आधार केन्द्र प्रातः 8 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित रहेंगे।

डाक विभाग नीमच मंदसौर अधीक्षक अजित सिंह डामोर ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने निकटतम डाक घर आधार केन्द्र पर पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं। शहर के मंदसौर के मुख्य डाकघर, सुवासरा मंडी, भानपुरा, गरोठ, नीमच के प्रधान डाक घर, नीमच बघाना खोर, मल्हारगढ़, मनासा रामपुरा जावद डाक घर सहित विभिन्न डाकघरों में यह अभियान संचालित किया जा रहा है।

शादियों में परोसा जा रहा धीमा जहर, क्या मिलावटखोरों के नजराने पर पल रहा है खाद्य विभाग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में इन दिनों शादियों की धूम है। हर रात हजारों लोग दावतों का लुत्फ उठा रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस शाही पनीर और रबड़ी को आप स्वाद लेकर खा रहे हैं वह जहर भी हो सकता है ताज्जुब की बात यह है कि पूरे त्योहार सीजन में दुकानों पर सैंपलिंग का ढिंढोरा पीटने वाला ञखाद्य सुरक्षा विभाग अब शादियों के सीजन में पूरी तरह नतमस्तक नजर आ रहा है। ऐसा लगता है जैसे विभाग की सक्रियता केवल दिवाली के दीयों तक ही सीमित थी।

शहर के महू रोड, कनावटी और मनासा रोड स्थित मैरिज गार्डन्स में शाम होते ही चूल्हे सुलग जाते हैं। यहां बड़ी मात्रा में मावा, घी, पनीर और तेल का उपयोग हो रहा है। जानकारों की मानें तो शादियों की भारी डिमांड को पूरा करने के लिए मिलावटखोर सिंथेटिक पनीर और मिलावटी घी की सप्लाई कर रहे हैं। लेकिन विभाग का अमला इन ठिकानों पर दबिश देने के बजाय दफ्तरों में बैठकर फाइलों का पेट भर रहा है।

दिवाली पर विभाग ने दर्जनों सैंपल लिए, ताकि अखबारों में फोटो छपे और वाहवाही मिले। अब जबकि सबसे ज्यादा खपत हो रही है, तो विभाग ने मौन व्रत धारण कर लिया है।

शादियों में इस्तेमाल हो रहा घटिया रिफाइंड तेल और सिंथेटिक दूध सीधे तौर पर लोगों के लिवर और किडनी पर हमला कर रहा है। विभाग की इस चुप्पी ने नीमच की जनता को मिलावटखोरों के रहमों-करम पर छोड़ दिया है। अगर जल्द ही इन बेस किचन और गार्डन्स की औचक जांच नहीं की गई तो जिले में फूड पॉइजनिंग का कोई बड़ा धमाका हो सकता है।

नवीन सड़कों के प्रांक्कलन में सड़क सुरक्षा मानकों को शामिल करें- श्री वैष्णव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में वाहनों पर काली फिल्म लगाकर वाहन उपयोग करने वालों, हेलमेट का उपयोग नहीं करने वाले, दो पहिया वाहन चालकों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही निरंतर जारी है। प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों, ओव्हरलोड एवं लगेज का परिवहन करने वाले यात्री वाहनों के विरूद्ध भी कार्यवाही निरंतर जारी रहे। यह निर्देश जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में परिवहन अधिकारी एवं यातायात थाना प्रभारी को दिए गये। बैठक में एडीएम श्री बी.एस.कलेश, एसडीएम श्री संजीव साहू, एसडीओपी श्री अमित राठौर, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण श्री अमित नार्गेश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद सहित अन्य जिला अधिकारी एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। बैठक में बताया गया, कि परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा काली फिल्म लगे वाहनों की जांच कर 127 वाहनों पर 68500 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई। बिना नम्बर प्लेट लगे 172 वाहनों पर 86 हजार रूपये की चालानी कार्यवाही की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया, कि वे शाला प्रधानो को पाबंद करें कि उनके शाला परिसर में 16 वर्ष से कम उम्र के कोई भी छात्र-छात्रा बगैर ड्रायविंग लायसेंस के वाहन से स्कूल ना आए। संस्था प्रमुख शाला परिसर एवं शाला के बाहर भी देखे, कि कोई नाबालिक विद्यार्थी दो पहिया वाहन से स्कूल तो नही आ रहा है।

वयवंदना योजना में वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाने विशेष शिविरों का आयोजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाए उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये विशेष शिविरों का आयोजन 27 अप्रेल से किया जा रहा है। एक सप्ताह तक चलने वाले उक्त शिविरों का आयोजन जिले के प्रत्येक सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द पर किया जावेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि इन शिविरों में विशेष रूप आयुष्मान भारत वय वंदना कार्ड बनाने पर जोर दिया जावेगा, जिससे जिले के बुजुर्गो को अधिकतम लाभ मिल सके। डॉ.प्रसाद ने बताया, कि जिले में अभी तक 17000 से अधिक वय वंदना कार्ड बनाए जा चुके है, जिससे वृद्धजन आवश्यकता होने पर अनुबंधित अस्पताल में पहुचॅ कर सेवाए प्राप्त कर रहे है। डॉ.प्रसाद ने बताया, कि जिस व्यक्ति के पास पूर्व से आयुष्मान कार्ड है और वह वर्तमान में 70 वर्ष से अधिक का हो गया है, तो उसे आयुष्मान भारत वयवंदना के तहत 5 लाख रू. तक के उपचार की अतिरिक्त पात्रता होगी तथा वह व्यक्ति 10 लाख तक का निःशुल्क उपचार करवा सकेगा। कई ऐसे बुजुर्ग है, जो संतान विहीन है या जिनका परिवार में कोई देखरेख करने वाला नही है और महंगे अस्पताल में ईलाज की राशि नही है उनके लिये यह योजना वरदान साबित हो रही है, ऐसे दंपति मंहगा ईलाज भी अनुबंधित अस्पतालों में करवा कर, सरकार को धन्यवाद कर रहे है। डॉ.प्रसाद ने जिले के सम्मानित बुजुर्गो से अपील की है, कि जिन भी बुजुर्गो का अभी तक कार्ड नही बना है, वे अपने निकट के स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुचकर, कार्ड अवश्य बनवाए, जिनके मोबाईल नम्बर अपडेट नही है या फिंगर प्रिन्ट मैच नही हो रहे है, वे एक बार आधार केन्द्र जाकर, अपना डेटा ठीक करवा ले, जिससे उनका आधार कार्ड आसानी से बनाया जा सके।

एमपी में फिर लौटेंगे बैरियर- सरकार का गुजरात मॉडल पड़ा भारी, हाईकोर्ट ने दिए 30 दिन में चेक पोस्ट शुरू करने के आदेश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश की सीमाओं पर बंद किए गए परिवहन चेक पोस्ट एक बार फिर आबाद होंगे। जबलपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ा झटका देते हुए सभी अंतर्राज्यीय चेक पोस्टों को 30 दिनों के भीतर फिर से स्थापित करने का आदेश दिया है। यह आदेश न केवल प्रशासनिक गलियारों में हलचल पैदा कर रहा है, बल्कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के उस महत्वाकांक्षी फैसले पर भी सवाल उठा रहा है, जिसे सुशासन का बड़ा कदम बताया गया था।

क्या था मुख्यमंत्री का गुजरात मॉडल और क्यों बंद हुए थे चेक पोस्ट- जुलाई 2024 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य की सभी 45 परिवहन चेक पोस्टों को बंद करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। उस वक्त मीडिया संस्थानों की रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने तर्क दिए थे कि चेक पोस्टों पर अवैध वसूली और रिश्वतखोरी की शिकायतों के चलते चेक पोस्ट बंद करने का निर्णय सरकार ने लिया था।

सरकार ने गुजरात की तर्ज पर रोड सेफ्टी एंड इंफोर्समेंट चेकिंग पॉइंट और उड़न दस्तों की व्यवस्था लागू करने की बात कही थी।

ट्रक ऑपरेटरों और ट्रांसपोर्टर्स की लंबी मांग को पूरा करते हुए माल ढुलाई को बाधा रहित बनाने का तर्क दिया गया था। साथ ही सरकार का मानना था कि पारदर्शी व्यवस्था से परिवहन विभाग के राजस्व में इजाफा होगा और जनता को कम परिवहन लागत का लाभ मिलेगा।

कोर्ट का ताजा आदेश - हाईकोर्ट में दायर अवमानना याचिका के दौरान यह सामने आया कि सरकार का यह फैसला कानूनन पुराने आश्वासनों का उल्लंघन था। आदेश के विश्लेषण से मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं-

पुराना वादा बना गले की हड्डी- साल 2006 से लंबित एक जनहित याचिका में सरकार ने खुद शपथपत्र देकर कहा था कि ओवरलोडिंग रोकने के लिए चेक पोस्ट का सतत संचालन किया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि जब मामला अदालत में लंबित था और सरकार ने सुरक्षा का भरोसा दिया था, तो वह अचानक अपने वादे से पीछे नहीं हट सकती।

ओवरलोडिंग और सड़क सुरक्षा- कोर्ट का मानना है कि चेक पोस्ट बंद होने से ओवरलोडिंग पर नियंत्रण खत्म हो गया है, जिससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

अदालत की अवमानना- हाईकोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि न्यायालय के समक्ष दिए गए आश्वासन का पालन न करना घोर अवमानना है।

अब आगे क्या- न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की पीठ ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि 30 दिनों के भीतर सभी चेक पोस्ट फिर से लगाए जाएं।

सरकार के लिए चुनौती है कि अब सरकार को अपनी पारदर्शी डिजिटल व्यवस्था और भौतिक चेक पोस्ट के बीच तालमेल बिठाना होगा। साथ ही नई व्यवस्था के बाद ट्रांसपोर्टर्स की चिंता भी बढ़ जायेगी, क्योंकि जो ट्रांसपोर्टर्स जुलाई 2024 में जश्न मना रहे थे, उनके लिए एक बार फिर पुरानी व्यवस्था में लौटना चिंता का विषय हो सकता है। ट्रांसपोर्टर्स को आशंका है कि चेक पोस्ट संचालन शुरू होने की दशा में एक बार फिर 'सिस्टम' को इन चेक पोस्ट के माध्यम से अवैध वसूली करने का हथियार मिल जाएगा।

जहाँ सरकार ने भ्रष्टाचार मिटाने के नाम पर चेक पोस्ट हटाए थे, वहीं न्यायपालिका ने सड़क सुरक्षा और न्यायिक आश्वासन को सर्वोपरि माना है। अब देखना होगा कि मोहन यादव सरकार माननीय न्यायालय के आदेश को मानते हुए इन चेक पोस्ट को पुनः संचालित करने के साथ ही 'अवैध वसूली' को रोकने में भी सफल होगी या नहीं, या इस कानूनी पेंच से निकलने के लिए अपील करने का रास्ता अपनाएगी

दोपहर के समय अनावश्यक घर से बाहर नही निकले - डॉ.प्रसाद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।वर्तमान मौसम में गर्मी का प्रभाव बढने लगा है तथा आगामी दिवस में इसमें और बढोतरी की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए आमजनों को एडवायरी जारी कर सलाह दी गई है, कि इस मौसम में अनावश्यक दोपहर के समय घर से बाहर नही निकले। माह अप्रेल मई एवं जून में तापमान की अधिकता के कारण गर्म हवाओ के रूप में लू चलती है, जिससे आमजनों को भी लू लगने की समस्या हो सकती है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश प्रसाद ने बताया, कि अत्याधिक गर्मी एवं तेज धूप के सम्पर्क में आने से शरीर में पानी एवं नमक (लवण) की कमी हो जाती है जिससे लू लगने की संभावना बढ जाती है। ऐसी स्थिति में आवश्यक सावधानियां अपनाना अत्यंत आवश्यक है। अनावश्यक धूप में निकलने से बचना चाहिये, यदि आवश्यक हो, तो सिर पर कपडे या गमछे का उपयोग करे।

आखों पर चश्मा पहन कर चले। घर से बाहर निकलने से पहले कुछ खाकर निकले जरूरी कार्य सुबह जल्दी या सायंकाल को करे। डॉ.प्रसाद ने बताया, कि तेज बुखार, सिसदर्द , चक्कर आना, उल्टी , मुहं का सुखना, अत्यधिक प्यास लगना, कमजोरी, पूरे शरीर में दर्द, पसीना नही आना, पेशाब कम आना या पीले गहरे रंग का आना, भूख नही लगना एवं बैहोसी जैसे लक्षण लू के संकेत हो सकते है, ऐसे लक्षण दिखाई दे, तो संबन्धित व्यक्ति को तुरंत छायादार एवं ठंडे स्थान पर लिटाकर प्राथमिक उपचार प्रदान करना चाहिए तथा तुरंत ही नजदिकी स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सक को दिखाना चाहिये।

नरवाई जलाने पर 9 किसानों पर 5000-5000 रुपये का जुर्माना

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुविभागीय अधिकारी जावद श्रीमती प्रीति संघवी नाहर ने जारी किए अर्थदण्ड आदेश, जमा न करने पर भू-राजस्व की भांति होगी वसूली। कलेक्टर नीमच श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार एवं म.प्र. शासन पर्यावरण विभाग द्वारा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 19(1) के तहत जारी अधिसूचना के अनुपालन में संपूर्ण मध्यप्रदेश को वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु अधिसूचित किया गया है। अधिनियम की धारा 19(5) के तहत नरवाई जलाना तत्समय से तत्काल प्रतिबंधित है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(1) के तहत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, नीमच के आदेश क्रमांक/टी-1/नरवाई/2024-25/883, दिनांक 25.02.2026 से नरवाई जलाने पर तत्काल प्रतिबंध लगाया गया है।

इसके परिपालन में उपखण्ड जावद क्षेत्र में तहसीलदार जावद एवं अतिरिक्त तहसीलदार, टप्पा रतनगढ़ तहसील सिंगोली के प्रतिवेदन के आधार पर निम्नानुसार अनावेदकों द्वारा मौके पर गेहूं की फसल काटने के पश्चात नरवाई जलाना प्रमाणित होने से प्रत्येक पर 5000-5000 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है-

1. अनावेदक शेरसिंह पिता जगदीश कलाल, निवासी महेन्द्री, तहसील जावद - प्रकरण क्र. 0017/बी-121/2026-27
2. अनावेदक भेरूसिंह पिता शिवलाल कलाल, निवासी महेन्द्री, तहसील जावद - प्रकरण क्र. 0018/बी-121/2025-26-27
3. अनावेदक शिवरतन पिता लक्ष्मण कलाल, निवासी महेन्द्री, तहसील जावद - प्रकरण क्र. 0019/बी-121/2026-27
4. अनावेदक हरिराम पिता कंवरलाल पाटीदार, निवासी माण्डा, तहसील जावद - प्रकरण क्र. 0020/बी-121/2026-27
5. अनावेदिका ममता पति किशोर तेली, किशोर पिता बंशीलाल तेली, अशोक पिता भागचंद मूंदड़ा, विजय पिता भागचंद मूंदड़ा, सकिना पति खोजेमा बोहरा, सभी निवासी रतनगढ़, तहसील सिंगोली - प्रकरण क्र. 0021/बी-121/2026-27

उक्त अर्थदण्ड संबंधी आदेश ,पीठासीन अधिकारी श्रीमती प्रीति संघवी नाहर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), उपखण्ड जावद द्वारा दिनांक 22 अप्रैल 2026 को पारित किए गए हैं। तहसीलदार जावद एवं अतिरिक्त तहसीलदार, टप्पा रतनगढ़ को आदेशित किया गया है कि अधिरोपित अर्थदण्ड की राशि अनावेदकों से चालान के माध्यम से जमा करवाई जाए। जमा न कराने की स्थिति में भू-राजस्व की भांति वसूली की जाएगी।

सम्पादकीय

अधिकारों की तुलना में कर्तव्य और जिम्मेदारियां के प्रति हम ज्यादा अनभिज्ञ

महात्मा गांधी ने कहा था कि अधिकारों का वास्तविक स्त्रोत कर्तव्य है, यदि हम अपने कर्तव्यों का पालन करें, तो अधिकार अपने आप मिल जाएंगे, भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अधिकार और कर्तव्य के बीच संतुलन का प्रश्न केवल संवैधानिक बहस का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का आईना भी है। इसी प्रकार भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान निर्माण के समय यह स्पष्ट किया था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे, तो वह असफल हो जाएगा, यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है क्योंकि कानून और नियम केवल कागज़ पर नहीं, बल्कि नागरिकों की चेतना और कार्यों में जीवित रहते हैं। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वहाँ एक ओर जनसंख्या का विस्तार, स्त्री-पुरुष अनुपात की जटिलता और शिक्षा का असमान वितरण दिखाई देता है, वहीं दूसरी ओर अधिकारों के प्रति तीव्र आग्रह और जिम्मेदारियों के प्रति अपेक्षाकृत शिथिल उदासीनता भी स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होती है।

यह विडंबना ही है कि जिस देश ने विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम् और कर्तव्य ही धर्म है जैसे विचार दिए, उसी समाज में आज अधिकारों की माँग तो प्रमुखता से अंगीकार और स्वीकार करने की चाहत रखता है, परंतु कर्तव्यों और जिम्मेदारियां के निर्वहन में परिपक्वता का अभाव एवं दुराग्रह दिखाई देता है। भारत की जनसंख्या, जो अब विश्व में शीर्षतम जनसंख्या वाले देशों में शामिल है, यहां केवल संख्या का विषय नहीं बल्कि गुणवत्ता का प्रश्न भी है यह गुणवत्ता शिक्षा, सामाजिक समझ और संवैधानिक चेतना, जागरूकता पर आधारित होती है।

जब हम स्त्री-पुरुष अनुपात की बात करते हैं, तो यह केवल आंकड़ों का संतुलन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और अवसरों की समानता का संकेतक है। किंतु जब तक दोनों ही वर्ग अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को समान रूप से नहीं समझेंगे, तब तक वास्तविक प्रगति अधूरी और दिवा-स्वप्न ही रहेगी। शिक्षा इस पूरे विमर्श का केंद्र बिंदु है, क्योंकि शिक्षित समाज ही अधिकार और जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है, परंतु भारत में शिक्षा का प्रसार अभी भी समरूप नहीं है।ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच, स्त्री और पुरुष के बीच, तथा विभिन्न आर्थिक वर्गों के बीच एक गहरी और बड़ी खाई मौजूद है।

परिणामस्वरूप, एक बड़ा वर्ग अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक हो रहा है, परंतु कर्तव्यों के प्रति उसकी समझ अभी भी सीमित संकुचित है। भारतीय संविधान, जो नागरिकों को मौलिक अधिकार प्रदान करता है, उसी के साथ मौलिक कर्तव्यों की भी स्पष्ट व्याख्या करता है, किंतु व्यवहारिक जीवन में अधिकारों की चर्चा अधिक होती है और कर्तव्यों की उपेक्षा। महात्मा गांधी ने कहा था कि अधिकारों का वास्तविक स्त्रोत कर्तव्य है, यदि हम अपने कर्तव्यों का पालन करें, तो अधिकार अपने आप मिल जाएंगे, परंतु आधुनिक समाज में यह विचार धीरे-धीरे पृष्ठभूमि में चला गया है। इसी प्रकार डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान निर्माण के समय यह स्पष्ट किया था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे, तो वह असफल हो जाएगा, यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है क्योंकि कानून और नियम केवल कागज़ पर नहीं, बल्कि नागरिकों की चेतना में जीवित रहते हैं।

भारत में कानूनों की कमी नहीं है सड़क सुरक्षा से लेकर महिला संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण से लेकर शिक्षा के अधिकार तक हर क्षेत्र में स्पष्ट नियम बनाए गए हैं, लेकिन उनका पालन तभी संभव है जब नागरिक स्वयं जिम्मेदारी का परिचय दें। उदाहरण के लिए, सड़क पर यातायात नियमों का उल्लंघन केवल एक व्यक्ति की गलती नहीं, बल्कि सामाजिक अनुशासन की कमी का संकेत है।इसी प्रकार, महिला सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून तब तक प्रभावी नहीं हो सकते जब तक समाज में लैंगिक संवेदनशीलता और सम्मान की भावना विकसित न हो।

स्त्री-पुरुष समानता के संदर्भ में भी यह स्पष्ट है कि अधिकारों की माँग के साथ-साथ कर्तव्यों का निर्वहन भी उतना ही आवश्यक है।जहाँ महिलाएँ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रही हैं, वहीं समाज के सभी वर्गों को उनके प्रति सम्मान और सहयोग का कर्तव्य निभाना होगा। शिक्षा का स्तर बढ़ने के बावजूद यदि नैतिक शिक्षा और नागरिकता के मूल्यों का समावेश नहीं होगा, तो केवल डिग्रीधारी नागरिक तैयार होंगे, जागरूक और जिम्मेदार कर्तव्य निस्ट नागरिक नहीं। आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अधिकारों की आवाज़ को मजबूत किया है, लेकिन कई बार यह जागरूकता एकतरफा हो जाती है, जहाँ केवल अधिकारों की बात होती है और जिम्मेदारियों की चर्चा गौण हो जाती है। यही असंतुलन समाज में तनाव और गहरे हरेअसंतोष को जन्म देता है। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा प्रणाली में प्रारंभ से ही नागरिक कर्तव्यों पर बल दिया जाए, परिवार और समाज में जिम्मेदारी की भावना को विकसित किया जाए, और शासन स्तर पर भी जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को यह समझाया जाए कि अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

सर्वे भवन्तु सुखिनः की सार्थक अभिव्यक्ति है सहजयोग ध्यान पद्धति

भारतीय दर्शनशास्त्र समूचे विश्व में आध्यात्मिक ज्ञान के लिये -प्रसिद्ध है। प्राचीन काल से अनेक देशों के विद्वान भारत में पहुँचे और इस योग भूमि में आकर उन्होंने अध्यात्मिकता की जड़ें खोज निकाली। उस अध्यात्मिकता का सार है आत्मतत्व। हम सभी एक ही चेतनतत्व से बने हैं। परम-पूज्य श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग हमें हमारे चेतनतत्व से ,आत्मतत्व से, ही परिचित कराता है। सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार प्राप्त साधक इस ज्ञान को अपने मज्जा तंतू पर जानता है। प. पू. श्रीमाताजी कहते हैं, आत्मानुभूति एक सुंदर अवस्था है। जब आपको आत्मबोध हो जाता है, तो आपका पूरा तन, मन, सबकुछ एकीकृत हो जाता है और इसके बाद आप जो कुछ भी करते है, वह आनंद प्रवाहित करता है। इसलिये जब आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति लिखता है तो वह चैतन्यरूपी आनंद उसकी लेखनी में आता है, मूर्ति बनाता है तो वह मूर्ति चैतन्यित हो जाती है,अगर वह बीज बोता है तो है उसकी खेती की सारी फसल चैतन्य से आंदोलित होती हैं । अब यह सब बहुत विलक्षण है। यह एक मात्र चीज है, जिसे आपको हासिल करना है, बेकार के चमत्कारों की ओर आकर्षित न हों। अपने आत्मा के चमत्कारों को माँगे । जब आत्मा की अभिव्यक्ति होती है तब आप आश्चर्यचकित हो जायेंगे कि आप कितना सुंदर महसूस करते हैं, और कितनी सुंदरता से आप इसे कार्यान्वित करते हैं।

हमारे सारे उपनिषद् इस आत्म तत्व का ही चितंन और मनन करते हैं। इसे सहजयोग ध्यान की अनुभूति से जाना जा सकता है। उपनिषद्कार कहते हैं, सर्वे भवन्तु सुखिनः अर्थात, इस पृथ्वीतल पर विराजमान सभी मानव सुखी, निरामय और आनंदपूर्ण बनें। उनके तीनों तापों की अर्थात, अधिदैविक ,अध्यात्मिक और अधिभौतिक तापों की निवृत्ति हो जाये ,और वे दुग्ख के भागीदार न बने। सहजयोग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तब वह साधक आदिशक्ति स्वरुपिणी माँ कुंडलिनी के प्रकाश में अपने आपको जानने लगता है। नियमित ध्यान से यह शक्ति उसके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पीड़ा का शमन करती है। आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति को सभी प्रकार की आपदाओं से भी बचाया जाता है, दिनों-दिन उसका चित्त आत्मसाक्षात्कार के आनंद मे तल्लीन होकर वह बहुत गुणात्मक और उच्च कोटि का आध्यात्मक जीवन व्यतीत करता है। आपको भी अगर इस आनंद का एक भाग बनना है, तो आज ही सीखें सहजयोग ध्यान ।

पानी ढोती ज़िंदगियाँ- 'वॉटर वाइफ' और ग्रामीण भारत की सच्चाई

भारत जल संकट की उस निर्णायक सीमा पर खड़ा है, जहाँ पानी की घटती उपलब्धता आने वाले समय की गंभीर चेतावनी बन चुकी है। नीति आयोग और केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, 2021 में देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता लगभग 1486 घन मीटर थी, जो 2031 तक घटकर 1367 घन मीटर रहने का अनुमान है। यदि यही प्रवृत्ति जारी रही, तो 2050 तक यह आंकड़ा 1140 घन मीटर तक पहुँच सकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार गंभीर जल दुर्लभता की स्थिति है। 1700 घन मीटर से कम उपलब्धता को जल तनाव और 1000 घन मीटर से नीचे को जल संकट माना जाता है। लगभग 60 करोड़ लोग पहले ही उच्च से अत्यधिक जल तनाव में जी रहे हैं, और इसका कारण जनसंख्या वृद्धि, भूजल का अत्यधिक दोहन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और असमान वितरण है।

पानी की कमी का सबसे गहरा और मौन बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है। ग्रामीण भारत में जल लाने की जिम्मेदारी लगभग पूरी तरह महिलाओं के हिस्से आती है। महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित क्षेत्रों, खासकर ठाणे जिले के डेंगनमल जैसे गांवों में 'वॉटर वाइफ' या 'पानी बाई' जैसी कठोर सामाजिक व्यवस्था इसका सबसे तीखा उदाहरण है। यहाँ पानी की कमी इतनी चरम है कि पुरुष अधिक पानी जुटाने के लिए बहुविवाह तक अपनाते हैं, ताकि महिलाओं को पानी ढोने के काम में लगाया जा सके। महिलाएं रोज 5 से 10 किलोमीटर चलकर 15- 20 लीटर पानी सिर पर ढोती हैं, जिससे उनकी पीठ, गर्दन और जोड़ों में लगातार दर्द, कमजोरी और कुपोषण सामान्य हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक बन जाती है।

जल संकट केवल शरीर को थकाता नहीं, बल्कि लड़कियों के सपनों और शिक्षा की बुनियाद को भी धीरे-धीरे कमजोर करता है। जब पानी का स्त्रोत घर से दूर होता है, तो कई परिवार मजबूरी में बेटियों को स्कूल भेजने की बजाय पानी लाने के काम में लगा देते हैं। सूखे के समय स्कूलों में लड़कियों की उपस्थिति तेजी से घट जाती है। स्वच्छ जल और शौचालय की कमी मासिक धर्म स्वच्छता को और कठिन बना देती है, जिससे कई किशोरियां पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं। यह स्थिति लैंगिक असमानता को और गहरा और स्थायी बनाती है। साथ ही, दूर-दराज पानी लेने जाना कई बार सुरक्षा जोखिम और हिंसा की आशंका बढ़ा देता है, जिससे उनका आत्मविश्वास, स्वतंत्रता, शिक्षा और अवसर—चारों सीमित हो जाते हैं।

इस गहरे संकट के बीच सबसे मजबूत उम्मीद की किरण उन्हीं हाथों से उभर रही है, जो सबसे अधिक पीड़ा झेल चुके हैं। जो महिलाएं कभी पानी के लिए लंबी दूरी तय करने को मजबूर थीं, आज वही बदलाव की अगुवाई कर रही हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में दलित और पिछड़ी समुदायों की महिलाएं 'जल सहेली' और 'पानी की दीदी' बनकर पुराने कुओं, तालाबों और पारंपरिक जल स्त्रोतों को फिर से जीवित कर रही हैं। वे वर्षा जल संचयन, तालाबों की सफाई और स्थानीय जल संरचनाओं के पुनर्निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। कई स्थानों पर महिलाएं छोटे जल भंडारण ढांचे बनाकर खेती, पशुपालन और घरेलू जरूरतों को मजबूत आधार दे रही हैं। अब वे केवल पानी लाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जल प्रबंधन, गुणवत्ता निगरानी और सामुदायिक नेतृत्व की जिम्मेदारी भी संभाल रही हैं, जो बदलाव की एक नई और सशक्त दिशा दिखाता है।

जल जीवन मिशन ने सरकारी स्तर पर ग्रामीण भारत की जल आपूर्ति व्यवस्था में उल्लेखनीय और ठोस बदलाव किया है। 2019 में जहाँ केवल 3.23 करोड़ यानी 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल कनेक्शन पहुँचा था, वहीं मार्च 2026 तक यह संख्या बढ़कर 15.82 करोड़ घरों यानी 81.71 प्रतिशत तक पहुँच गई है। इस अवधि में लगभग 12.58 करोड़ नए घरों तक नल से जल उपलब्ध कराया गया है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं के जीवन पर पड़ा है, क्योंकि जो समय पहले रोज़ पानी ढोने में खर्च होता था, वह अब काफी हद तक बच रहा है। स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों तक भी जल आपूर्ति में सुधार हुआ है, जिससे बुनियादी सुविधाएँ मजबूत हुई हैं। फिर भी, देश अभी भी लगभग 85 प्रतिशत भूजल पर निर्भर है और अपशिष्ट जल प्रबंधन की चुनौती गंभीर बनी हुई है।

2026 में सच्चा परिवर्तन तभी संभव होगा जब जल संकट को केवल तकनीकी चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और लैंगिक प्रश्न के रूप में समझा जाए। जल प्रबंधन की नीति और निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं को केंद्र में रखना अनिवार्य है।

ग्राम स्तर की जल समितियों में उनकी नेतृत्व भूमिका सुनिश्चित करनी होगी, ताकि योजनाएँ जमीनी जरूरतों से जुड़ सकें। वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण को बड़े पैमाने पर अपनाना अब समय की मांग है। साथ ही जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों को देखते हुए सूखा और बाढ़ दोनों से निपटने के लिए एकीकृत रणनीति विकसित करनी होगी। शिक्षा व्यवस्था में जल संरक्षण को शामिल करना भी आने वाली पीढ़ियों में जागरूकता और जिम्मेदारी विकसित करने के लिए जरूरी है।

अंतिम सच्चाई यही है कि भारत का जल संकट केवल पानी की कमी की कहानी नहीं, बल्कि गहरी सामाजिक असमानता और महिलाओं के अदृश्य श्रम का प्रतिबिंब है। 'वॉटर वाइफ' जैसी कठोर हकीकतों से लेकर सूखे कुओं को फिर से जीवित करती दलित महिलाओं तक, यह साफ दिखाई देता है कि संकट की सबसे तीखी मार भी महिलाएं झेलती हैं और समाधान की दिशा भी वे ही दिखाती हैं। यदि 2026 में ठोस नीतिगत, सामाजिक और सामुदायिक कदम उठाए जाएँ, तो 2050 के संभावित जल दिवालियापन को टाला जा सकता है। पानी बचाना केवल संसाधन संरक्षण नहीं, बल्कि समानता, सम्मान और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने की निर्णायक जिम्मेदारी है।

-प्रो. आरके जैन

लोकलुभावनवाद से त्रस्त राजनीति

अमेरिका और ईरान के बीच अस्थिर संघर्षविराम के स्थिर होने की आशा और घरेलू मोर्चे पर महिला आरक्षण संबंधी विधेयक के गिरने से उपजी निराशा के बीच अब ध्यान पूरी तरह घरेलू राजनीति पर केंद्रित है, जो किसी वैश्विक टकराव की तुलना में हमारे कहीं अधिक नियंत्रण में है। इस साल देश के कई राज्यों में चुनाव हैं। हालांकि इसमें कोई हैरानी नहीं कि आखिर कौन से साल चुनावों का क्रम नहीं चलता। अभी तक असम, केरलम और पुडुचेरी में चुनाव हो चुके हैं। बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव भी इसी महीने निपट जाएंगे। अगले वर्ष की शुरुआत में पंजाब और उत्तराखंड के अलावा राजनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में चुनाव होने हैं। जहां इन चुनावों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का मुद्दा चर्चा में रहा है, वहीं हमेशा की तरह धर्म, जाति, क्षेत्रीय अस्मिता और लोकलुभावनवाद आदि के माध्यम से वोट बटोरने की होड़ भी राजनीतिक दलों में जारी है। क्षेत्रवाद एवं रेवड़ियों की इस राजनीति का दुष्परिणाम स्वाभाविक रूप से हमारे सामाजिक तानेबाने और अर्थव्यवस्था को भुगतना पड़ता है। आर्थिक प्रबंधन की कसौटी प्राय- शासनकला की मूलभूत एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण कड़ी मानी जाती है। भारत में केंद्र, राज्य और स्थानीय निकायों का कुल वार्षिक व्यय लगभग 90 लाख करोड़ रुपये के आसपास है। यदि केंद्र से वित्तीय हस्तांतरण को देखा जाए तो राज्य सरकार और स्थानीय निकाय मिलकर करीब 60 लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं। स्थानीय निकायों पर सीधा नियंत्रण राज्य सरकारों का होता है। यानी व्यय के मोर्चे पर बड़ी जिम्मेदारी मुख्यत- राज्य सरकारों और उनके विवेक पर ही निर्भर है। यदि समस्त सरकारी व्यय की बात करें तो लगभग आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मुफ्त राशन, नकदी हस्तांतरण, कृषि कर्ज माफी और कृषि सब्सिडी जैसी राजनीतिक रेवड़ियों पर ही खर्च होती है। इसमें शिक्षा-स्वास्थ्य पर होने वाला व्यय शामिल नहीं है। क्या रेवड़ियों पर होने वाला यह खर्च कुल व्यय के अनुपात में बहुत अधिक या असंतुलित है? यदि विकसित देशों की व्यवस्था से परखें तो उत्तर होगा 'नहीं'? विकसित देशों में मुफ्त सौगातों की अपनी एक विशेष सूची है। उसे भले ही सामाजिक सुरक्षा का नाम मिला हो, पर यह संकल्पना उनके लिए अपरिचित तो कतई नहीं। फिर भी, इसमें एक मूलभूत अंतर यह है कि विकसित देशों में ऐसे खर्च जहां पूरी तरह संस्थागत स्वरूप में सामाजिक अनुबंध का हिस्सा होते हैं, वहीं भारत में ये खर्चे मनमानेपन का उदाहरण हैं, जिसके लिए चुनावी दबाव से उपजा प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद ही अधिक जिम्मेदार है। इस खर्च की प्रकृति एवं स्वरूप भी भिन्नता लिए होता है। भारत में यदि कृषि कर्ज माफी से तुलना करें तो अमेरिका में उसके लिए रियायती फसल बीमा और न्यून ब्याज पर कर्ज की सुविधा जैसी मिसालें हैं। भारत जैसी आर्थिकी के लिहाज से ब्राजील का उदाहरण लें तो वहां सशर्त नकदी हस्तांतरण की व्यवस्था है, जिसमें विद्यालयों में उपस्थिति एवं टीकाकरण जैसे मानक जुड़े हैं।

-धनंजय राजौरा

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटेस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है।

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे।

जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है।

चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि अज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश। इसी प्रकार महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

पुस्तकें मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का आधार भी हैं। जब जीवन की भागदौड़ मन को विचलित करती है, तब एक अच्छी पुस्तक ध्यान के समान कार्य करती है, जो मन को एकाग्र और शांत बनाती है। महान चीनी चिंतक मेन्शियस ने कहा था कि मनुष्य का स्वभाव मूलतः शुभ होता है, उसे केवल सही दिशा की आवश्यकता होती है। पुस्तकें वही दिशा प्रदान करती हैं। वे अकेलेपन में सच्चा साथी बनती हैं, दुःख में सहारा देती हैं और निराशा में आशा का संचार करती हैं। पुस्तक के माध्यम से हम अनेक महापुरुषों के अनुभवों से जुड़ते हैं, उनके संघर्षों को समझते हैं और अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त करते हैं। वास्तव में पुस्तकें जीवन-निर्माण का कल्पवृक्ष और कामधेनु हैं। उनकी छाया में बैठकर मनुष्य ज्ञान, विवेक, शांति और समाधान सब कुछ प्राप्त कर सकता है। वे हमारे भीतर ऐसी मानसिकता का विकास करती हैं, जिसमें हम हर परिस्थिति में समाधान खोजने लगते हैं। पुस्तकें हमारे विचारों को व्यापक बनाती हैं, हमारी संवेदनाओं को परिष्कृत करती हैं और हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की दिशा में अग्रसर करती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि पुस्तकें केवल जीवन को प्रकाशित ही नहीं करतीं, बल्कि उसे सार्थक, संतुलित और समृद्ध भी बनाती हैं।

विश्व पुस्तक दिवस मनाते हुए यह स्पष्ट है कि पुस्तकें केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं। वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। ऐसा परिवर्तन जो किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से उत्पन्न होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुस्तक संस्कृति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, घर-घर में अध्ययन का वातावरण निर्मित करें और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के इस अमूल्य स्त्रोत से जोड़ें। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम पढ़ने की आदत को विकसित करें, पुस्तकों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करें और एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जो ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो।

-ललित गर्ग

पुस्तकें: भीतर की दुनिया को समझने और बदलने का माध्यम

ज्ञान की सबसे प्रखर रोशनी दीपक से नहीं, खुले पन्नों से निकलती है। विचारों के शोर में भटकता मन जब ठहराव चाहता है, तब पुस्तक भीतर नई दुनिया का द्वार खोल देती है। 23 अप्रैल इसी अद्भुत संसार को समर्पित दिन है, जब पुस्तकें केवल वस्तु नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली शक्ति के रूप में सम्मानित होती हैं। यह स्मरण कराता है कि शब्द केवल भाषा नहीं, बल्कि सभ्यता की धड़कन और युगों का अनुभव हैं। हर पुस्तक अनुभव, संघर्ष और कल्पना का दस्तावेज है, जो समय से परे जाकर पीढ़ियों से संवाद करती रहती है। इसी कारण यूनेस्को ने 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस घोषित किया, क्योंकि इसी दिन शेक्सपियर और सर्वेंटेस का निधन हुआ था।

पठन केवल आँखों से किया जाने वाला क्रिया नहीं, बल्कि मन और मस्तिष्क की गहराइयों में उतरती एक निरंतर यात्रा है। जैसे-जैसे कोई व्यक्ति पन्नों को पलटता है, वैसे-वैसे वह अपने भीतर भी नई परतों को खोजता चलता है। साहित्य, विज्ञान, इतिहास या दर्शन—प्रत्येक विधा अपने भीतर एक संपूर्ण ब्रह्मांड समेटे होती है। पुस्तकें हमें उन स्थानों तक पहुँचा देती हैं जहाँ हमारा भौतिक अनुभव सीमित होता है, और उन विचारों से परिचित कराती हैं जिनकी कल्पना तक पहले संभव नहीं होती। इसी कारण पठन केवल ज्ञान का विस्तार नहीं करता, बल्कि सोचने की क्षमता को व्यापक बनाता है और दृष्टिकोण को गहराई एवं परिपक्वता प्रदान करता है।

पुस्तकें अकेलेपन को भी भीतर से भर देती हैं और मौन को भी एक जीवंत संवाद में बदल देती हैं। जब बाहरी दुनिया थम जाती है, तब उनके शब्द मन के भीतर एक नई, तीव्र और स्पष्ट आवाज़ रचते हैं। वे कभी हमारी ही अनुभूतियों को पहचान देती हैं और कभी उन अनकहे प्रश्नों के उत्तर बन जाती हैं, जिन्हें हम स्वयं भी ठीक से नहीं कह पाते। किसी कथा का पात्र अचानक प्रेरणा का स्त्रोत बन जाता है, तो कोई विचार जीवन की दिशा ही मोड़ देता है। इसी कारण पढ़ना केवल आदत नहीं रह जाता, वह भीतर उतरने और स्वयं को नए रूप में देखने की यात्रा बन जाता है। पुस्तकों के साथ बीता हर क्षण आत्म-खोज का अवसर होता है। मुंशी प्रेमचंद की 'गोदान' में ग्रामीण भारत के किसान होरी के संघर्ष का ऐसा सजीव चित्रण मिलता है कि वह केवल कहानी नहीं रह जाती, बल्कि सामाजिक यथार्थ और अन्याय के प्रति पाठक के भीतर गहरी संवेदना जगा देती है।

आज का युग पठन को एक नए विस्तार तक ले गया है। ज्ञान अब केवल पुस्तकालयों की सीमाओं में बंद नहीं रहा, बल्कि डिजिटल माध्यमों ने उसे हर व्यक्ति की पहुँच तक पहुँचा दिया है। मोबाइल स्क्रीन, ई-पुस्तकें और श्रव्य पुस्तकें ज्ञान के सहज और आधुनिक स्त्रोत बन गई हैं। इस बदलाव ने पढ़ने को अधिक सरल, लचीला और समय के अनुकूल बना दिया है। अब व्यक्ति यात्रा में, विश्राम के क्षणों में या रात्रि की शांति में भी अध्ययन कर सकता है। तकनीक ने पुस्तकों को समाप्त नहीं किया, बल्कि उन्हें नए रूपों में फिर से जीवंत कर दिया है, जिससे पठन और अधिक व्यापक व प्रभावी हो गया है।

पठन का प्रभाव व्यक्ति की सीमाओं से आगे बढ़कर पूरे समाज की चेतना को आकार देता है। जैसे-जैसे लोग पढ़ते हैं, वैसे-वैसे उनकी समझ गहरी होती जाती है और वे अधिक संवेदनशील, विवेकशील तथा विचारशील बनते हैं। पुस्तकों के माध्यम से विविध संस्कृतियों, विचारधाराओं और जीवनशैलियों को समझने का अवसर मिलता है, जिससे समाज में सहिष्णुता और स्वीकार्यता की भावना मजबूत होती है। एक पढ़ा-लिखा समाज जल्दबाज़ी में निर्णय नहीं लेता, बल्कि तर्क, अनुभव और समझ के आधार पर आगे बढ़ता है। इस प्रकार पुस्तकें केवल ज्ञान का विस्तार नहीं करतीं, बल्कि एक संतुलित, जागरूक और प्रगतिशील समाज की आधारशिला भी रखती हैं। शब्दों की शक्ति जब विचारों का रूप लेकर समाज की दिशा बदलने लगती है, तब रचनाकारों का योगदान और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह दिवस उन सृजनशील लेखकों के सम्मान का अवसर है, जो अपने अनुभव, कल्पना और संवेदना को शब्दों में ढालकर नई दृष्टि प्रदान करते हैं। कॉपीराइट जैसी व्यवस्थाएँ उनकी रचनात्मकता की रक्षा करती हैं और उन्हें उनके कार्य का उचित एवं न्यायसंगत सम्मान सुनिश्चित करती हैं। डिजिटल युग में, जहाँ सामग्री का प्रसार अत्यंत तीव्र गति से होता है, वहाँ ऐसी सुरक्षा और भी आवश्यक हो जाती है। यह केवल एक कानूनी व्यवस्था नहीं, बल्कि रचनात्मकता के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी और सम्मान का प्रतीक है।

पुस्तकें जीवन के हर चरण में समान रूप से साथ निभाने वाली सच्ची मार्गदर्शक होती हैं। बाल्यावस्था में वे कल्पना को पंख देती हैं, युवावस्था में लक्ष्य और दिशा प्रदान करती हैं, और वृद्धावस्था में स्मृतियों एवं अनुभवों को फिर से जीवंत कर देती हैं। गाँव हो या शहर, समृद्ध परिवेश हो या साधारण जीवन—पुस्तकों की पहुँच सभी के लिए समान अवसर का द्वार खोलती है। वे यह बोध कराती हैं कि जीवन केवल जीने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि उसे समझने, जानने और निरंतर सीखते रहने की यात्रा है। पठन मनुष्य को भीतर से सशक्त बनाता है और कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, आत्मबल तथा आशा बनाए रखने की क्षमता प्रदान करता है। पुस्तकों का महत्व किसी सीमा में नहीं बाँधा जा सकता, क्योंकि वे समय से परे जाकर मनुष्य के भीतर ज्ञान और चेतना का निरंतर विस्तार करती रहती हैं। हर पृष्ठ एक नई दृष्टि और नया विचार देता है, जो जीवन को अधिक अर्थपूर्ण और संतुलित बनाता है। पठन व्यक्ति को केवल सूचनाएँ नहीं देता, बल्कि उसे भीतर से अधिक जागरूक, विचारशील और संवेदनशील बनाता है। 23 अप्रैल का यह दिन हमें स्मरण कराता है कि पुस्तकें जीवन की सच्ची मार्गदर्शक हैं, जो हमारी सोच को विस्तार देती हैं और अस्तित्व को समृद्ध करती हैं। इसलिए पठन को केवल एक आदत नहीं, बल्कि जीवन का अनिवार्य और सतत हिस्सा बनाना चाहिए।

-कृति आरके जैन

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस में लैम्प लाइटिंग एवं शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस में बी.एससी. नर्सिंग एवं जी.एन.एम. के नवागत विद्यार्थियों के लिए लैम्प लाइटिंग एवं शपथ ग्रहण समारोह का गौरवपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अमलतास ग्रुप के संस्थापक श्री सुरेश सिंह भदौरिया की गरिमामयी उपस्थिति ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय संयुक्त स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपक पिप्पल, पाटीदार नर्सिंग कॉलेज (उज्जैन) की प्राचार्य डॉ. नेहा टायटस एवं देवास की मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्सबेक उपस्थित रहीं।

अतिथियों ने अपने संबोधन में नर्सिंग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि- चिकित्सा क्षेत्र नर्सिंग के बिना अधूरा है। यह केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा भाव से जुड़ा एक अत्यंत सम्मानजनक कार्य है। मरीजों की रिकवरी में एक नर्सिंग ऑफिसर की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।

नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संगीता तिवारी ने विद्यार्थियों को नर्सिंग के विस्तृत कार्यक्षेत्र से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आज के समय में नर्सिंग ऑफिसर केवल अस्पतालों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे कम्युनिटी हेल्थ नर्स,मिलिट्री, एयरफोर्स और नेवी नर्स,फॉरेंसिक और रिसर्च नर्स,लीगल एडवाइजर और इंफेक्शन प्रिवेंशन एक्सपर्ट जैसे विविध और प्रतिष्ठित पदों पर अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. पीटर ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। उप-प्राचार्य डॉ. मोहसिन खान ने कॉलेज की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट साझा की। साथ ही, शैक्षणिक और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अमलतास विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. शरद चन्द्र वानखेड़े, रजिस्ट्रार डॉ. अभय गुप्ता, निदेशक डॉ. प्रशांत, अस्पताल प्रबंधक डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. स्नेहा सहाय, डॉ. भारती लाहोरिया, डॉ. आस्था नागर , सहित नर्सिंग कॉलेज के समस्त शिक्षक , छात्र एवं स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

बकरी बेचने जा रहा बुजुर्ग हुआ हादसे का शिकार, ईलाज के दौरान तोड़ा दम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बकरी लेकर हाट बाजार में बेचने जा रहे एक बुजुर्ग को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसे परिजन जिला अस्पताल लाए, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

यह घटना सुबह करीब 7 बजे राजगढ़ जिले के धनोरा गांव के पास हुई। जब एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने पैदल जा रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी थी। मृतक की पहचान राजगढ़ जिले के धनोरा गांव निवासी चंदर सिंह भिलाला के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार चंदर सिंह अपने गांव से बकरी लेकर लीमाचौहान गांव के हाट बाजार में बेचने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजन घायल चंदर सिंह को तत्काल शाजापुर जिला अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर हालत के कारण सुबह करीब 11 बजे उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के बेटे रघुवीर भिलाला ने बताया कि हादसा अचानक हुआ और वाहन चालक मौके से फरार हो गया। अस्पताल पुलिस चौकी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

कर्ज चुकाने के बाद भी खाते से काट ली राशि

कलेक्टर के पास पहुंचे किसान ने लगाई न्याय की गुहार

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सहकारी साख संस्था मंगलाज एक बार फिर विवादों के घेरे में है। इस बार एक किसान ने सोसाइटी पर गेहूं के भुगतान में से डबल कटौती करने का आरोप लगाया है। पीड़ित किसान ने बुधवार को कलेक्टर से शिकायत की और अपनी काटी गई राशि वापस दिलाने की मांग की।

ग्राम हिदायतपुर के रहने वाले किसान नंदकिशोर पाटीदार ने बताया कि उन्होंने खेती के लिए सोसाइटी से खाद-बीज का ऋण लिया था। किसान ने 28 मार्च को अपने हिस्से का पूरा बकाया 92 हजार 550 रुपए नकद जमा कर दिया था, जिसकी रसीद भी उनके पास है। विवाद तब बढ़ा जब किसान ने ई-उपार्जन के जरिए अपनी 61 क्विंटल गेहूं की फसल बेची। कुल 1 लाख 60 हजार 125 रुपए के भुगतान में से सोसाइटी मैनेजर ने कर्ज का पैसा बताकर 78 हजार 842 रुपए काट लिए। किसान ने रसीदें भी दिखाईं, लेकिन मैनेजर ने उनकी एक न सुनी।

कलेक्टर से न्याय और जांच की मांग- नंदकिशोर पाटीदार ने कलेक्टर को दिए आवेदन में इसे अन्याय और प्रशासनिक चूक बताया है। उन्होंने बैंक स्टेटमेंट और रसीदें जमा करते हुए मांग की है कि नियम के खिलाफ काटी गई 78 हजार 842 रुपए की राशि तुरंत वापस दिलाई जाए। साथ ही उन्होंने इस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की भी मांग की है। स्थानीय किसानों का कहना है कि इस सोसाइटी में पहले भी कंप्यूटर आपरेटर पर रिश्वत मांगने के आरोप लग चुके हैं, जिससे संस्था की छवि और खराब हुई है।

आयुक्त ने राजस्व वसुली की समीक्षा की, कचरा संग्रहण वसुली पर किया फोकस

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम सीमा क्षेत्र में स्थित भवन भूमि के संपत्तिकर, जलकर एवं कचरा संग्रहण वसूली को लेकर आयुक्त दलीप कुमार ने बैठक आहूत कर संबंधित नाकेदारों को दिशा निर्देश दिए। आयुक्त ने पूरी राजस्व टीम को उनकी लगन एवं मेहनत से लक्ष्य से अधिक वसूली पर बधाई दी।

करंट डिमांड सुधारने पर फोकस- आयुक्त ने निरंतर राजस्व वसूली को लेकर सभी नाकेदारों को करंट डिमांड सुधारने पर फोकस करने को कहा। उन्होंने बताया कि जीआईएस सर्वे अनुसार 1200 प्रॉपर्टी ऐसी हैं जिन्हें चिन्हित नहीं किया गया है और न ही उनके खाते खोले गए हैं। इन्हें चिन्हित कर मौके पर नपती करें तथा डिफरेंस वाली प्रॉपर्टी का कुल एरिया निकालकर उनके खाते खुलवाकर राशि जमा करवाएं।

कमजोर वार्डों पर विशेष ध्यान- जिन वार्डों से वसूली प्रभावित हुई है उन वार्डों पर विशेष रूप से ध्यान देते हुए सुधार के लिए पूरी मेहनत करने के निर्देश दिए। वसूली का प्रतिशत बढ़ाने के लिए इन कमजोर वार्डों में बकायादारों से सतत संपर्क कर वसूली करें। वार्ड से राजस्व वसूली का पूरा प्लान बनाएं, टारगेट फिक्स करें तथा वार्डों में प्रॉपर्टी चिन्हित करें। जिन प्रॉपर्टियों की बकाया राशि जमा नहीं हुई है उन पर कुर्की की कार्रवाई प्रस्तावित करने को कहा।

कचरा संग्रहण शुल्क- 1 लाख रूपये प्रति माह का लक्ष्य वसूली नहीं तो वेतन नहीं निर्धारित लक्ष्य अनुरूप कचरा संग्रहण शुल्क में प्रगति नहीं होने पर आयुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने वसूलीकर्ताओं को दिए गए लक्ष्य के अनुरूप वसूली नहीं आने पर वेतन रोके जाने की चेतावनी दी।आयुक्त ने कहा कि माह के 10 दिवस शेष हैं, मेहनत करें। दी गई पीओएस मशीन से कचरा संग्रहण वसूल करें। कचरा संग्रहण शुल्क वसूली के दिए गए लक्ष्य अनुरूप वसूली नहीं करने पर वेतन आहरण नहीं किया जाएगा।

जल है तो कल है जल संचय हेतु रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाएं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संचय अभियान को लेकर आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में निगम उपायुक्त आरती खेड़ेकर एवं कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती ने निगम अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेकेदारों के साथ बैठक आहूत की। बैठक में लक्ष्य के अनुरूप रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाये जाने के लिए उपयंत्रियों को अपने वार्ड क्षेत्र में प्रतिदिन 10 सिस्टम लगाये जाने हेतु 2 दिवस में कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

प्लान तैयार कर कार्य आरंभ करें- उपायुक्त ने निर्देश दिए कि कार्य योजना तैयार करने के पश्चात वार्डों में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाये जाने का कार्य तत्काल आरंभ किया जाए। सिस्टम किस प्रकार से लगाया जाना है, इस हेतु टेक्निकल हाईड्रोजीओलाजिस्ट कमलेश बिरला एवं जिओलाजिस्ट अनिल जायसवाल के द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई।

जनभागीदारी से करें जल का संचय- उपायुक्त श्रीमती खेड़ेकर ने सभी को निर्देशित करते हुए कहा कि यह एक अभियान है। इस अभियान में पूरी लगन से जनभागीदारी के माध्यम से कार्य करना है तथा नागरिकों में जागरूकता लाने के साथ आने वाली पीढ़ी के लिए जल का संचय करें।

एफडीआर राशि से लगवाएं सिस्टम- कार्यपालन यंत्री सुश्री भारती ने बताया कि जिन नागरिकों ने भवन निर्माण की निगम से स्वीकृति ली है, उन नागरिकों के द्वारा स्वीकृति के साथ ही रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की एफडीआर के रूप में राशि जमा कराई जाती है। एफडीआर की राशि के माध्यम से सिस्टम लगाये जाने के लिए नागरिकों को समझाइश देकर कार्य करवाएं। कार्यालय अधीक्षक रणजीतसिंह पंजाबी ने कहा कि जिन नागरिकों की अनुज्ञा के साथ एफडीआर जमा है, वे स्वयं सिस्टम लगवा सकते हैं।

अंजान लिंक पर क्लीक करते ही खाते से गायब हुई लाखों की राशि

साईबर फ्रॉड का शिकार हुआ ग्रामीण, पुलिस को शिकायत कर की राशि वापस दिलाने की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। साईबर ठगी से बचने के लिए साईबर सेल द्वारा कई बार अभियान चलाए गए। कई बार लोगों को समझाईश देकर अंजान नंबरों से आई लिंक पर क्लीक न करने की समझाईश भी दी गई। लेकिन फिर भी लोगों पर इसका असर नहीं हो रहा हैं और लोग साईबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। ताजा मामला थाना अ. बड़ोदिया का सामने आया है। जहां एक व्यक्ति ने अंजान नंबर से आई लिंक पर क्लीक किया और उसके खाते से 3 लाख 25 हजार रू. गायब हो गए। पीड़ित ने इसकी शिकायत अ. बड़ोदिया पुलिस को की है।

थाना प्रभारी ब्रजेश मिश्रा ने बताया कि ग्राम पोलायकलां के डाबरीपुरा निवासी गिरजाशंकर त्रिवेदी ने शिकायत की है। जिसमें उन्होंने बताया कि 25 मार्च को अपनी पत्नी की आंखों का चैकअप करवाने के लिए इंदौर गया हुआ था। तभी उनके पास एक फोन आया जिसमें सामने वाले ने कहा कि मैने एक लिंक भेजी है उसे खोलकर देख लो। गिरजाशंकर ने बिना सोचे-समझे उस लिंक पर क्लीक किया और अपने काम में व्यस्त गए। अगले दिन 26 मार्च को जब वह अपने घर पहुंचा और मोबाइल चेक किया तो उसमें 3 लाख 25 हजार रू. की राशि किसी खाते में ट्रांसफर की गई थी। इसकी जानकारी उन्होंने बैंक में दी और फिर 1930 नंबर पर इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नहीं थम रही वारदातें, हो रहे ठगी के शिकार- साइबर सेल द्वारा लोगों को साइबर ठगी से बचने के लिए कई बार जागरूकता अभियान चलाए और लोगों को जानकारी भी दी। वहीं सोशल मीडिया के माध्यम से भी विभाग द्वारा लोगों को साइबर ठगी किस प्रकार की जाती है इस बारे में भी बताया जा चुका है। बावजूद इसके लोग इन अभियानों और जानकारियों को गंभीरता से नहीं ले रहे और ठगी का शिकार हो रहे हैं। अ. बड़ोदिया पुलिस के पास भी आए इस मामले ने एक बार फिर साबित कर दिया कि विभाग द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के बाद भी लोग लापरवाही कर रहे हैं जिसका खामियाज भी उन्हें भुगतना पड़ रहा है।

इनका कहना है- साइबर सेल द्वारा समय-समय पर अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। हमारे द्वारा दी जा रही जानकारियों को लोग गंभीरता से लें और ठगी से बचें। हर माह अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हमारी टीम द्वारा कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। ताकि लोगों के साथ ठगी न हो। किसी भी प्रकार की अंजान लिंक पर क्लीक करते ही आपका डाटा हेकर के पास चला जाता है और आपको इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है।

- विकास तिवारी,
साइबर सेल प्रभारी-शाजापुर

बैंक के मीटर में लगी आग, मची अफरा-तफरी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नई सड़क स्थित बैंक ऑफ इंडिया के पास बुधवार को बिजली मीटर में आग लग गई। यह घटना सुबह करीब 11 से 12 बजे के बीच शार्ट सर्किट के कारण हुई। आग लगते ही बैंक कर्मचारियों ने तुरंत बिजली आपूर्ति बंद कर दी और सभी कर्मचारी बैंक से बाहर आ गए।

घटना के दौरान बैंक परिसर और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पानी डालकर आग पर काबू पाया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस दौरान करीब आधे घंटै तक बैंक में कामकाज ठप्प रहा। सूचना मिलने पर बिजली कंपनी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने लाइन बंद कर सुधार कार्य शुरू किया। इस घटना के कारण क्षेत्र में करीब आधे घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली कंपनी में पदस्थ कुलदीप विश्वकर्मा ने बताया कि मीटर के पास चिड़िया ने घोंसला बना लिया था, जिसके कारण हो सकता है शार्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। उन्होंने बताया कि यह मुख्य लाइन होने के कारण बड़ा हादसा हो सकता था, लेकिन समय रहते बिजली बंद कर दिए जाने से स्थिति नियंत्रण में रही।

लाहोरी बल्डे पर लगी आग, दमकल ने पाया काबू

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर ग्राम लाहोरी के बल्डे पर मंगलवार रात करीब 8 बजे अचानक आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलने पर पहुंची दमकल वाहन ने आग पर काबू पा लिया।

अप्रैल माह में भीषण गर्मी का दौर जारी है। ऐसे में आगजनी की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। मंगलवार रात करीब 8 बजे भी लाहोरी बल्डे पर अज्ञात कारणों से आग लग गई। बताया जाता है कि किसी शरारती तत्व ने कुछ जलाया होगा जो पहले चिंगारी बनी और देखते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना मिलने पर पहुंचे दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया। टीम ने काफी मेहनत के बाद आग को काफी हद तक बुझा दिया। हालांकि रास्ता संकरा होने की वजह से गाड़ियां हर जगह नहीं पहुंच सकीं, जिससे कुछ हिस्सों में देर तक धुआं उठता रहा। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने जानबूझकर वहां आग लगाई होगी, लेकिन अभी तक असली वजह का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और प्रशासन मामले की जांच कर रहे हैं।

18 वीं राज्य स्तरीय डॉजबॉल प्रतियोगिता का उदघाटन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश डॉजबॉल संघ के सचिव प्रवीण सांगते ने बताया कि 18 वीं राज्य स्तरीय डॉजबॉल महिला पुरूष प्रतियोगिता का भव्य उदघाटन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में सचिन बघेल प्रदेश प्रवक्ता भाजपा, महेश परमार विधायक तराना थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयसिंह ठाकुर अध्यक्ष मध्यप्रदेश डॉजबॉल संघ ने की। विशिष्ठ अतिथियों में खेल गुरु राधेश्याम सोलंकी,विश्वामित्र अवार्डी सुदेश सांगते, मुकेश यादव, निलेश बिलरवान उपस्थित रहे। स्वागत भाषण प्रवीण सांगते ने दिया। अतिथियों का स्वागत देवास जिला डॉजबॉल संगठन सचिव तरुण सोनी, हेमेन्द्र निगम काकू, कपिल व्यास, मनीष जायसवाल,जय कुमार दोहरे, लवलीन शर्मा, तरुण सोनी, जानवी सांगते, सलीम शेख, बद्रीलाल रतलाम, एम्बुरोस मंदसौर , अरुण नीमच, अब्दुल रशीद गुना,पुष्कर राजपूत भोपाल, अर्पण कटारिया सीहोर, सुमित सांगते आदि ने किया।

श्री बघेल ने अपने संबोधन में कहा कि खिलाड़ी जितना अनुशासन के साथ खेलेगे उतने अच्छे खिलाड़ी साबित होंगे। श्री ठाकुर ने खिलाड़ियों से कहा कि जिला ही नहीं अपितु प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर अपना नाम गौरवान्वित करे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी। अतिथियों को आयोजन समिति द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

बाल विवाह के विरुद्ध कार्रवाई कर दो अलग-अलग मामलों में रुकवाया बाल विवाह

बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर दें

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभाग को दो विभिन्न स्थानों पर बाल विवाह होने की गोपनीय सूचना प्राप्त हुई, जिस पर महिला एवं बाल विकास विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई एवं थाना इंडस्ट्रियल एरिया के संयुक्त दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विवाह रुकवाए। जिले के नागरिकों से अपील है कि जागरूक नागरिक का परिचय देते हुए जिले के नागरिक बाल विवाह की सूचना तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल कर संबंधित विभाग को सूचना दें।

दल को सूचना मिली कि वार्ड 45 नागदा क्षेत्र में एक बालिका का विवाह संपन्न कराया जा रहा है। संयुक्त दल ने मौके पर पहुंचकर बालिका के आयु संबंधी दस्तावेजों की जांच की। जांच में बालिका की उम्र मात्र 16 वर्ष पाई गई, जो कि विवाह के लिए निर्धारित कानूनी आयु से कम है। टीम द्वारा परिवार को बाल विवाह के कानूनी परिणामों की जानकारी दी गई, जिसके बाद परिजनों ने समझाइश मानकर विवाह रोक दिया।

दूसरी कार्रवाई जय शिव कॉलोनी क्षेत्र में की गई, जहाँ दो बालकों का विवाह आयोजित किया जा रहा था। दल द्वारा की गई जांच में पाया गया कि विवाह कर रहे दो लड़कों में से एक बालक की उम्र 19 वर्ष थी, जो की शासन के नियम अनुसार विवाह की निर्धारित आयु 21 वर्ष से कम है,जबकि दूसरा बालिग था। कानून लड़कों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 21 वर्ष अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर पुलिस और विभागीय टीम ने परिजनों को कड़ी समझाईश दी और नाबालिग बालक का विवाह रुकवाया गया।

संयुक्त दल की प्रभावी भूमिका- दोनों कार्रवाइयों में महिला एवं बाल विकास विभाग से संरक्षण अधिकारी संदीप किरार, दीक्षा कुशवाह, विनय निधार एवं विशेष किशोर पुलिस इकाई से संध्या दुबे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दल ने परिजनों को स्पष्ट किया कि बाल विवाह न केवल एक सामाजिक बुराई है, बल्कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत यह एक दंडनीय अपराध है, जिसमें 2 वर्ष जेल सजा या 1 लाख तक जुर्माने या दोनों का प्रावधान है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर मातृ भूमि का पूजन कर पौधा रोपा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बढ़ती गर्मी के बीच एक प्रेरणादायक पहल सामने आई है, जहां सतपुड़ा एकेडमी ने विद्यार्थियों के माध्यम से समाज को संवेदनशील संदेश दिया। 'हर घर सकोरा' अभियान के तहत बच्चों को मिट्टी के सकोरे वितरित कर न केवल पर्यावरण संरक्षण का पाठ पढ़ाया, बल्कि प्यासे पक्षियों के लिए जीवनदायिनी व्यवस्था करने का संकल्प भी दिलाया।

ग्रीष्म ऋतु बेजुबान पक्षियों के लिए बेहद कठिन हो जाती है। इसी संवेदनशील विषय को ध्यान में रखते हुए मक्सी रोड स्थित तुलजा विहार कॉलोनी की सतपुड़ा एकेडमी में सकोरा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने कहा, कि गर्मी के मौसम में जल की कमी सिर्फ मनुष्यों ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी संकट बन जाती है। ऐसे में छोटी-छोटी पहल, जैसे सकोरों में पानी भरकर रखना, उनके जीवन को बचाने का माध्यम बन सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने घरों की छत, बालकनी और आंगन में पानी की व्यवस्था अवश्य करें।

वैभव विहार शिक्षा समिति अध्यक्ष एवं भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रायसिंह सैंधव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता ही सच्ची मानवता की पहचान है। सतपुड़ा एकेडमी द्वारा बच्चों में यह संस्कार विकसित करना अत्यंत सराहनीय है। आज जरूरत है कि हम केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि उन पक्षियों के लिए भी सोचें, जो हमारी थोड़ी सी मदद से जीवन पा सकते हैं। यदि हर घर में एक सकोरा पानी से भरा हो, तो गर्मी में हजारों पक्षियों की प्यास बुझाई जा सकती है।

उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हैं और नई पीढ़ी को जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

संस्था संचालक भानूप्रतापसिंह सेंधव ने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष किया जाता है। इस बार विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को सकोरे वितरित कर उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाया गया। साथ ही बच्चों को यह संदेश दिया गया कि वे खुद भी सकोरे लगाएं और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस दौरान विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर निगम आयुक्त दलीप कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने विद्यार्थियों के साथ मातृ भूमि का पूजन अर्चन कर पौधा रोपा । पर्यावरण संरक्षण एवं धरती को हरा भरा बनाने का संकल्प लिया ।

इस अवसर पर शिक्षिका कंचन शुक्ला ने भूख प्यास से तड़पते हुए पक्षियों की अंतरात्मा के दर्द को बया करते हुए एक गीत प्रस्तुत किया ।

अतिथियों का स्वागत संस्था संचालक भानुप्रतापसिंह सेंधव, प्राचार्य वी. एस. जाब, उपप्राचार्य रश्मि रधुवंशी ने पुष्पगुच्छ, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

अतिथि परिचय मीडिया प्रभारी दिनेश सांखला ने दिया । कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि वे अपने घरों में सकोरे लगाकर पक्षियों के लिए नियमित पानी की व्यवस्था करेंगे और इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएंगे। सीबीएसई कक्षा दसवीं में उच्च अंक प्राप्त कर प्रवीण्य सूची में स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने सम्मानित किया । यह जानकारी मीडिया प्रभारी दिनेश सांखला ने दी।

किसान के खिलाफ उचित कार्रवाई के लिए सोसाईटी प्रबंधक ने सौंपा आवेदन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलाज सोसाईटी प्रबंधक द्वारा एक किसान के विरूद्ध उचित कार्रवाई करने हेतु आवेदन सौंपा गया है। सौंपे गए आवेदन में सोसोईटी प्रबंधक द्वारा किसान पर अपने नान एफक्यू गेहूं की तुलाई व खरीदी का दबाव बनाने व अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है।

सोसाईटी प्रबंधक ने बताया कि किसान सतीश राजपूत, उसके भाई जितेंद्र व धीरपसिंह राजपूत द्वारा नान एफक्यू गेहूं लेने का दबाव बनाया गया। इन लोगों ने उपार्जन केंद्र प्रभारी, कर्मचारियों व ऑपरेटर के साथ दुर्व्यवहार करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग भी किया और गंभीर आरोप भी लगाए थे। जबकि जब किसान द्वारा नॉन एफक्यू गेहूं लाया गया था।

सनातन समाज का महासंघर्ष, अपनी ही सरकार में राष्ट्रमाता के दर्जे के लिए क्यों तरस रही है गौमाता

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत की आत्मा कहे जाने वाले गाँवों से लेकर महानगरों के आधुनिक गलियारों तक, आज एक ही गूँज है– गौ माता, राष्ट्र की माता। आगामी 27 अप्रैल 2026 को होने जा रहा गौ सम्मान जन-आंदोलन अब केवल एक तिथि मात्र नहीं रह गया है, बल्कि यह केंद्र की सत्तासीन सरकार के विरुद्ध संत समाज के धैर्य की परीक्षा का परिणाम बन चुका है। इसी कड़ी में बदनावर क्षेत्र इस आंदोलन का मुख्य केंद्र बनकर उभरा है।

आंदोलन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए बदनावर नगर में भक्ति और जोश का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। स्थानीय सनातनी समाज और गौ-भक्तों द्वारा प्रतिदिन नगर के प्रमुख मार्गों से आह्वान रैलियाँ निकाली जा रही हैं। केसरिया ध्वजों और गौमाता के जयकारों के साथ निकलने वाली इन रैलियों ने पूरे क्षेत्र का वातावरण धर्ममय कर दिया है। नगर के हर चौराहे और वार्ड में आंदोलन के पर्चे बाँटकर जनता को इस महासंग्राम की जानकारी दी जा रही है। युवाओं और बुजुर्गों की टोलियाँ घर-घर जाकर लोगों को 27 अप्रैल को आंदोलन में सम्मिलित होने हेतु भावभीना निमंत्रण दे रही हैं। यह सक्रियता इस बात का प्रमाण है कि गौमाता के प्रति श्रद्धा अब एक संगठित क्रांति का रूप ले चुकी है।

देशभर के अखाड़ों और मठों में इस बात को लेकर गहरी टीस है कि जिस विचारधारा ने राम मंदिर निर्माण और अनुच्छेद 370 के खात्मे जैसे साहसिक कदम उठाए, वह गौमाता के सम्मान पर आकर मौन क्यों हो जाती है? संतों का कहना है कि हमें गर्व है कि देश में हिंदुत्व के प्रति समर्पित सरकार है, लेकिन यही गर्व तब ग्लानि में बदल जाता है जब हम सड़कों पर अपनी गौमाता को कचरा खाते देखते हैं। क्या हमारी मजबूरी इतनी बड़ी है कि हम अपनी जननी को संवैधानिक दर्जा भी नहीं दे पा रहे।

यह आंदोलन किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि समस्त भारतवासी का है। इसका उद्देश्य केवल रैली करना नहीं, बल्कि सरकार को यह अहसास कराना है कि सनातन समाज अब प्रतीकों से आगे बढ़कर संवैधानिक अधिकार चाहता है। पोस्टर और पर्चों के माध्यम से आह्वान किया गया है कि हर गली, हर गाँव से जागरूकता फैलानी है। आगामी 27 अप्रैल को सुबह 10 बजे देश का हर सनातनी इस संकल्प के साथ खड़ा होगा कि अब नहीं तो कभी नहीं।

गाय केवल एक पशु नहीं है। सनातन धर्म में गौमाता को सर्वदेवमयी माना गया है। ऋग्वेद में गाय को अघन्या (वध न करने योग्य) कहा गया है। वहीं, भारत की कृषि व्यवस्था और मृदा की उर्वरता बिना गोवंश के संभव नहीं है। जिस देश की पहचान गोपाल (कृष्ण) से हो, वहाँ गाय का उपेक्षित होना राष्ट्रीय अपमान के समान है।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि भाजपा सरकार आखिर किन अंतरराष्ट्रीय दबावों या तकनीकी कारणों से गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने से झिझक रही है। क्या कानूनी अड़चनें सनातनी आस्था से बड़ी हैं? क्या सरकारी तंत्र गौ-संरक्षण के नाम पर केवल बजट खर्च करना चाहता है या वास्तविक सम्मान भी देना चाहता है? बदनावर जैसे क्षेत्रों से उठी यह चिंगारी अब दावानल बनने को तैयार है। आंदोलन का स्पष्ट संदेश है की जिस देश में गौ माता का सम्मान होगा, वहीं सच्चा भारत महान होगा! अब गेंद सरकार के पाले में है। क्या 27 अप्रैल से पहले सरकार जनभावनाओं का सम्मान करते हुए ऐतिहासिक निर्णय लेगी, या फिर सनातनी समाज को अपनी शक्ति का बड़ा प्रदर्शन करना होगा?

ना दिखावा, ना देर रात बारात' रानी बडौद की इस शादी ने बदली परंपरा, बना दी नई मिसाल

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया जिले के ग्राम रानी बडौद में मंगलवार को आयोजित एक विवाह समारोह ने पारंपरिक शादियों की सोच को नई दिशा देते हुए समाज के सामने प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया। शिक्षक हुकम सिंह राजपूत की पुत्री का यह विवाह अब पूरे क्षेत्र में ÷आदर्श शादी÷ के रूप में चर्चा का विषय बना हुआ है।

समय पर बारात, ससम्मान आयोजन- जहां आमतौर पर बारात देर रात पहुंचती है और अव्यवस्था का माहौल बनता है, वहीं इस विवाह में बारात शाम 6 बजे ही गांव पहुंच गई। महज डेढ़ घंटे में, रात 7-30 बजे दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर पहुंच गए। समय की पाबंदी और सुव्यवस्थित आयोजन ने सभी मेहमानों का दिल जीत लिया।

दहेज नहीं, समझदारी का तोहफा- इस शादी में दहेज को लेकर भी एक सराहनीय पहल देखने को मिली। फर्नीचर, बर्तन और अन्य सामान देने की परंपरा को छोड़ते हुए, दोनों परिवारों ने मिलकर 5 लाख रुपए का चेक नवदंपति को भेंट किया।

यह कदम न केवल फिजूलखर्ची को रोकने वाला है, बल्कि नवदंपति को अपनी जरूरत के अनुसार भविष्य संवारने की आज़ादी भी देता है।

दोनों परिवारों की पहल बनी प्रेरणा- ग्राम आलनिया से डॉक्टर दिलीप सिंह राजपूत के पुत्र मनीष राजपूत की बारात आई। दोनों समधियों की आपसी समझ, सहमति और सकारात्मक सोच ने इस बदलाव को संभव बनाया, जो अब समाज के लिए प्रेरणा बन रही है।

संतों का आशीर्वाद, हजारों की मौजूदगी- विवाह समारोह में संतों का आगमन भी विशेष आकर्षण रहा। महामंडलेश्वर श्रृंगारपूर बालाजी धाम के महंत श्यामदास महाराज सहित अन्य संतों ने नवदंपति को आशीर्वाद प्रदान किया।

साथ ही, हजारों की संख्या में समाजजन और अतिथि शामिल हुए और वर-वधू को शुभकामनाएं दीं।

समाज के लिए बना प्रेरणादायक संदेश- रानी बडौद का यह विवाह अब एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है–

शादी में दिखावा नहीं, समझदारी और सादगी ही असली परंपरा है। यह आयोजन आने वाले समय में समाज में सकारात्मक बदलाव की नई शुरुआत साबित हो सकता है।

ना डीजे ना बग्घी - जैसे ही बारात 6 बजे रानी बडोद पहुंची तो बारात में ना तो डीजे था ना कोई बग्गी था ना ही जुलूस वाली लाइट क्योंकि बारात दिन में ही आ चुकी थी दोनों पक्ष कि सहमति के बाद गेहलोत मेवाड़ राजपूत इस पहल से एक नई प्रेरणा मिली है

उन्हेल मंदिर परिसर में लगाए गए पक्षियों के पानी के सकोरे, युवाओं ने बढ़ती गर्मी में दिखाई संवेदनशीलता

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी को देखते हुए युवाओं ने पक्षियों के लिए पानी पीने के सकोरे लगाए। ये सकोरे बस स्टेंड के समीप मंदिर , गंगाबाग परिसर आदि जगह स्थापित किए गए हैं, ताकि गर्मी के दिनों में बेजुबान पक्षियों को पानी मिल सके! यह सकोरे खाली टीन के डब्बे से बनाए गए हैं! स्थानीय युवाओं की इस पहल को पर्यावरण और जीव-जंतुओं के संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। गर्मी के मौसम में पानी की कमी से पक्षियों को होने वाली परेशानी को कम करने के लिए यह प्रयास प्रेरणादायक है वहीं आशीष (लखन) मेहता ने लोगों से अपील की है कि वे भी अपने आसपास पानी के पात्र रखें और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करें। ऐसी छोटी-छोटी कोशिशें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देती हैं।

शातिर ब्लैकमेलर और आदतन अपराधी नीरज लोधी गिरफ्तार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला सुरक्षा को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने वाली बदनावर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक ऐसे शातिर और आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो अपनी सनक में एक युवती का भविष्य बर्बाद करने पर तुला था। आरोपी न केवल युवती को ब्लैकमेल कर रहा था, बल्कि कानून और मर्यादाओं की सरेआम धज्जियां उड़ा रहा था। पुलिस की इस त्वरित कार्यवाही ने जहाँ पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया है, वहीं अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है।

पकड़ा गया आरोपी नीरज पिता धनसिंह लोधी, निवासी ग्राम टोड़ी, तहसील सुठालिया, जिला राजगढ़ एक आदतन अपराधी है। आरोपी सुठालिया में किराए के मकान में रहकर अपने साले के साथ पार्टनरशिप में क्रिस इलेक्ट्रॉनिक नामक दुकान संचालित करता है। जांच में सामने आया कि नीरज ने एक आदिवासी परिवार से रक्षाबंधन का पवित्र रिश्ता जोड़कर उस परिवार का विश्वास जीता, लेकिन बाद में उसी परिवार को छलना शुरू कर दिया। वह परिवार की बेटियों को बदनाम करने और उन्हें ब्लैकमेल करने की घिनौनी करतूतें करने लगा। आरोपी नीरज लोधी की आपराधिक कुंडली काफी लंबी है। उसके खिलाफ सुठालिया थाने सहित विभिन्न थानों में पहले ही 5 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। पूर्व में उसने आदिवासी परिवार की बेटी को बहला-फुसलाकर और माफी मांगकर समझौता करवा लिया था, लेकिन उसकी फितरत नहीं बदली। जब युवती नौकरी के लिए बदनावर आई, तो वह उसका पीछा करते हुए यहाँ भी पहुँच गया और उसे फिर से प्रताड़ित करने लगा।

पीड़िता, जो वर्तमान में बदनावर में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रही है, ने पुलिस को बताया कि आरोपी की सनक इस हद तक बढ़ गई थी कि जब भी उसकी कहीं सगाई तय होती, आरोपी नीरज होने वाले ससुराल पक्ष को आपत्तिजनक फोटो भेजकर रिश्ता तुड़वा देता था। वह युवती को जान से मारने की धमकी देकर अपनी शर्तों पर शादी के लिए मजबूर कर रहा था।

पीड़िता के साहस दिखाने के बाद धार एसपी के निर्देश पर बदनावर पुलिस एक्टिव हुई। एसडीओपी अरविंद सिंह तोमर एवं थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह के मार्गदर्शन में एक विशेष रणनीति बनाई गई। एसआई और महिला विंग प्रभारी श्रीमती हीना जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। जिसमें योगेश शर्मा और धर्मेंद्र शामिल थे। पुलिस ने ग्राम सुठालिया में दबिश देकर घेराबंदी की और आरोपी नीरज लोधी को गिरफ्तार कर बदनावर लाई। बदनावर थाने के पूरे स्टाफ ने इस कार्यवाही में दिन-रात एक कर पीड़ित परिवार को सुरक्षा का अहसास कराया। पुलिस ने आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 78-2 और 79 के साथ-साथ स्ष्ट/स्ञ्ज अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

उक्त घटना समाज को सबक देती है की यदि कोई ब्लैकमेल करे तो डरे नहीं, पुलिस की मदद लें। इस युवती के साहस ने ही एक आदतन अपराधी को सलाखों के पीछे पहुँचाया। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दूरी और अपनी निजता के प्रति सजगता जरूरी है। बदनावर पुलिस की यह कार्यवाही साबित करती है कि अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, कानून के लंबे हाथों से बच नहीं पाएगा। शहर के प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस टीम की इस साहसिक कार्यवाही की मुक्तकंठ से सराहना की है।

सुसनेर में स्मार्ट मीटर को लेकर जताया विरोध, कार्यपालन यंत्री ने दिया आश्वासन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में बुधवार को नगर व आसपास क्षेत्र के बिजली उपभोक्ता एमपीईबी कार्यालय पहुंचे। उपभोक्ताओं ने बिलों में अनियमितता की आशंका जताते हुए अपनी आपत्ति दर्ज कराई। पार्षद मीना पवन शर्मा के नेतृत्व में नागरिकों ने अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ बमोरी ने उपभोक्ताओं को समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। साथ ही विभाग द्वारा जनहित में निर्णय लेने की बात कही गई। इस अवसर पर पवन शर्मा, पार्षद इब्बादुल्ला खान, विष्णु पाटीदार, राकेश कानुडीया, युगल किशोर परमार, दीपक राठौर आदि उपस्थित रहे।

वर्थिंग्टन स्कूल ने फिर से अपनी काबिलियत साबित की

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कानवन क्षेत्र स्थित वर्थिंगटन इंटरनेशनल स्कूल का सत्र 2025-26 का बोर्ड परीक्षाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा ।

कक्षा 5 में कूल 53 में 49 बच्चे प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण हुए जिसमे कनिष्का पिता राजू जी भाटिया ने 86.25 प्रतिशत प्राप्त पर प्रथम स्थान पर रही । और कक्षा 8 में कूल 50 में से 49 बच्चे प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए ।

जिसमे प्राची पिता जगदीश जी पाटीदार ने 87.67 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान पर रही ।

कक्षा 10 में कुल 57 बच्चों की संख्या में से 72 प्रतिशत बच्चे प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण हुए जिसमे प्रथम स्थान

आस्था पिता आनंद जी पटेल 93.20% ने प्राप्त किया ।

अभिराज पिता जितेंद्र जी पाटीदार एवं चंचल पिता मनीष जी राठौड़ ने 92.80 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

वंदना प्रहलाद जी पाटीदार ने 92.40 प्रतिशत के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया ।

कक्षा 12 में कूल 57 बच्चों की संख्या में से 81 प्रतिशत बच्चे प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए ,जिसमे कशिश पिता संतोष जी पाटीदार ने 94.60 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

गोपाल पिता दिलीप जी सेन ने 88 त्न के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया और हर्षिता पिता मनोहर पाटीदार 87.60 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों को शुभकामनाएं दी गई और विद्यार्थियों ने इस उपलब्धि का श्रैय अपने शिक्षकों एवं पालकों को दिया । जानकारी विद्यालय प्रबंधन ने दी ।

राजनीति का पुराना पावर हाउस अब बना व्हाइट हाउस

राम की टापरी देखते ही देखते बन गई राजमहल

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कहते हैं कि वक्त बदलते देर नहीं लगती, लेकिन कुछ चीजें वक्त के साथ लीजेंडरी हो जाती हैं। ग्राम भुवानीखेड़ा सिर्वी (विधायक प्रतिनिधि) की वह पुरानी टापरी भी कुछ ऐसी ही थी। एक ऐसी जर्जर कुटिया जिसे राम जी बड़े प्यार से अपनी भाषा में टापरी कहते थे, लेकिन वह टापरी सिर्फ घास-फूस का ढांचा नहीं, बल्कि क्षेत्र की राजनीति और दोस्ती का पावर सेंटर थी।

आज भले ही वहाँ पत्थरों का आलीशान महल खड़ा हो गया हो, लेकिन उस पुरानी टापरी की दीवारें अगर वे बोल पातीं तो कई बड़े नेताओं के गुदगुदाते राज खोल देतीं। इसी टापरी में न जाने कितने जनप्रतिनिधियों के जन्मदिन के केक कटे और न जाने कितनी हंसी-ठिठोली वाली पार्टियाँ परवान चढ़ीं। इस टापरी की महिमा ऐसी थी कि यहाँ आने वाला हर शख्स खुद को किसी वीआईपी से कम नहीं समझता था। लोग कहते थे– महल तो बहुत देखे, पर जो सुकून राम जी की टापरी में है, वो मखमल के गद्दों में कहाँ!

पर जैसा कि कहावत है– ईश्वर के घर देर है, अंधेर नहीं। राम सीरवी की बरसों की कड़ी मेहनत और लगन ने आज उस टापरी का कायाकल्प कर दिया है। जहाँ कभी चूल्हे का धुआं और कच्ची दीवारें थीं, आज वहाँ एक भव्य और आलीशान महल मुस्कुरा रहा है। हाल ही में हुए इस महल के भव्य गृह प्रवेश में भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। क्षेत्र की कई दिग्गज हस्तियों ने इस अविस्मरणीय पल का साक्षी बनकर राम जी को मंगल बधाइयां दीं। मेहमानों की आँखों में नए महल की चमक तो थी, लेकिन जुबां पर पुराने टापरी के वे किस्से थे, जिन्होंने आज इस ऊँचाई की नींव रखी है।

यह सिर्फ एक मकान का उद्घाटन नहीं था, बल्कि एक संघर्षशील व्यक्ति के टापरी से महल तक पहुँचने का भावनात्मक सफर था। राम जी ने साबित कर दिया कि यदि इरादे मजबूत हों, तो इंसान अपनी मेहनत से अपनी किस्मत की लकीरें खुद लिख सकता है। आज रामजी की टापरी भले ही भौतिक रूप से एक महल में तब्दील हो गई हो, लेकिन उसकी आत्मा आज भी वही पुरानी और मिलनसार है। क्षेत्र के लोगों का कहना है– भले ही महल खड़ा हो गया, पर हमारे लिए तो ये आज भी वही प्यार वाली राम जी की टापरी ही रहेगी!

कलेक्टर ने की स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभागृह में स्वास्थ्य विभाग के जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जिले की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं पर रखें विशेष नजर समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि मैदानी अमला यह सुनिश्चित करे कि प्रत्येक गर्भवती महिला की कम से कम 4 प्रसव पूर्व जाँच अनिवार्य रूप से हो। उन्होंने प्रेग्नेंसी इंड्यूस्ड हाइपरटेंशन के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हाई ब्लड प्रेशर के कारण होने वाली जटिलताओं का समय पर प्रबंधन किया जाए, ताकि मातृ मृत्यु के जोखिम को शून्य किया जा सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने चाइल्ड डेथ रिव्यू और मैटर्नल डेथ रिव्यू की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देशित किया कि मृत्यु के प्रत्येक मामले का सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए ताकि मृत्यु के कारणों की पहचान कर स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि रेफरल सिस्टम को और अधिक मजबूत बनाया जाए। स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग का अमला सक्रियता से कार्य करते हुए ऐसे केंद्र जहां अधिक मृत्यु दर है वहां सतर्कता से कार्य करें। टीबी और सिकल सेल उन्मूलन पर जोर कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को जिले में सिकल सेल एनीमिया और टीबी उन्मूलन अभियान को मिशन मोड पर चलाने के निर्देश दिए।

एक दिवसीय सात चक्र हीलिंग शिविर का सफल आयोजन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवकार सेवा संस्थान द्वारा आज कश्यप प्रांगण में एक दिवसीय सात चक्र हीलिंग शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर का संचालन श्वेता जैन द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हमारे शरीर में 7 ऊर्जा केंद्र (चक्र) माने जाते हैं– जैसे मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनाहत, विशुद्ध, आज्ञा और सहस्त्रार।

इनका संतुलन मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ा माना जाता है। अत्यधिक तनाव , चिड़चिड़ापन , अवसाद , चिंता आदि को ध्यान के माध्यम से ठीक किया जाता है।

यह शिविर केवल एक सेशन नहीं, बल्कि मानसिक शांति, तनाव से मुक्ति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का एक सशक्त माध्यम बना। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को मानसिक व शारीरिक रूप से सशक्त बनाना तथा जीवन में संतुलन स्थापित करना रहा।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने सामूहिक रूप से हीलिंग सेशन का अनुभव लिया, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ तथा स्वास्थ्य एवं रिश्तों पर इसके अच्छे प्रभाव की अनुभूति हुई। सभी प्रतिभागियों ने इस पहल को अत्यंत लाभकारी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की अपेक्षा जताई।

कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जहां सभी ने इस अनूठे अनुभव के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

कल लगेगा एग्री मंथन 2026 का महामंच

किसान हित में सुभाषचंद्र जी मूणत की पुण्य स्मृति में लगेगा किसान मेला

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर क्षेत्र के किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने और उन्हें आधुनिक कृषि की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 24 अप्रैल को एक विशेष प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। एग्री मंथन 2026 नाम का यह आयोजन स्थानीय सी.एम. राइज स्कूल ग्राउंड में संपन्न होगा। यह पहल जुहारमल शैतानमल परिवार द्वारा स्वर्गीय श्री सुभाषचंद्र जी मूणत की पुण्य स्मृति में की जा रही है, जो क्षेत्र में अपनी तरह की एक अनोखी और किसानों के हित में समर्पित पहल मानी जा रही है। इस आयोजन की सबसे खास बात यह है कि इसे आयोजित करने वाली संस्था पिछले 57 वर्षों से तीन पीढ़ियों तक किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक और कृषि उत्पाद उपलब्ध करा रही है। इसी भरोसे को आगे बढ़ाते हुए अभिषेक और आयुष मूणत के नेतृत्व में यह आयोजन लगातार दूसरे वर्ष किया जा रहा है।

आज के दौर में किसान सही समय पर सही जानकारी न मिल पाने के कारण बढ़ती लागत और घटती पैदावार जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। एग्री मंथन 2026 इन्ही समस्याओं के समाधान के लिए एक मंच प्रदान करेगा जहाँ तकनीकी समृद्धि खेती में मशीनीकरण और आधुनिक उपकरणों के सही उपयोग की जानकारी दी जाएगी। वही अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफे वाली खेती के गुर सिखाए जाएंगे। आयोजन में किसानों के मनोरंजन और उत्साह के लिए लकी ड्रॉ जैसे विशेष आकर्षण भी रखे गए हैं।

आयोजक मूणत परिवार ने क्षेत्र के समस्त किसान भाइयों और जागरूक नागरिकों से अपील की है कि वे 24 अप्रैल को अधिक से अधिक संख्या में सी.एम. राइज स्कूल मैदान पहुँचें। उनका लक्ष्य है कि इस सशक्तिकरण अभियान से जुड़कर क्षेत्र का हर किसान अपनी खेती को नई दिशा दे सके।

कलेक्टर ने किया जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण, निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर यूनिट और विभिन्न वार्डो की व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और जिले के नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने आज जिला चिकित्सालय बड़वानी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्यो और विभिन्न वार्डो की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निर्माण कार्यो की गुणवत्ता और समय-सीमा पर जोर कलेक्टर ने निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण करते हुए निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता में कोई समझौता न किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें ताकि गंभीर मरीजों को जल्द से जल्द उपचार मिलना शुरू हो सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने ओपीडी और पंजीयन केंद्र का निरीक्षण कर दैनिक ओपीडी की स्थिति एवं पंजीयन रजिस्टर की जांच करते हुए प्रविष्टियों को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को त्वरित बनाया जाए ताकि उन्हें अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। निःशुल्क दवा केंद्र पर दवाओं की उपलब्धता और स्टॉक रजिस्टर की जांच की। उन्होंने सुनिश्चित करने को कहा कि शासन की मंशानुसार प्रत्येक पात्र मरीज को अस्पताल से ही निःशुल्क दवाएं प्राप्त हों। ड्रेसिंग रूम में आवश्यक साफ सफाई एवं बायो वेस्ट मैनेजमेंट के निर्देश दिए। ड्रेसिंग रूम का निरीक्षण कर स्तरीय साफ-सफाई बनाए रखने एवं बायो-वेस्ट मैनेजमेंट के निर्देश दिए।कलेक्टर ने बाल चिकित्सा वार्ड और मेल वार्ड में भर्ती मरीजों के परिजनों से चर्चा कर उन्हें मिल रहे उपचार के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वार्डों में साफ-सफाई,गर्मी के दिनों में कूलर एवं सुचारू पेयजल व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और सिविल सर्जन को निर्देशित किया।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी, खेत तालाब एवं अमृत सरोवर का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की प्राथमिकताओं में शामिल जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज विकासखंड थांदला क्षेत्र में विभिन्न जल संरचनाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने थांदला में स्थित बावड़ी, ग्राम पंचायत सागवा में किसान के खेत तालाब तथा देवगढ़ क्षेत्र में निर्माणाधीन अमृत सरोवर का अवलोकन किया।

कलेक्टर ने थांदला में बावड़ी का निरीक्षण करते हुए उसकी वर्तमान स्थिति का आकलन किया। उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी थांदला को निर्देशित किया कि अभियान के अंतर्गत बावड़ी की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा सुरक्षा की दृष्टि से बावड़ी के चारों ओर रेलिंग लगाई जाए, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे।

इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पंचायत सागवा में किसान श्री गणेश के खेत तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने किसान से संवाद कर खेत तालाब से प्राप्त लाभ, विशेषकर सिंचाई में हुए सुधार एवं उत्पादन में वृद्धि के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अन्य किसानों द्वारा भी खेत तालाब की मांग रखी गई, जिस पर कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को निर्देशित किया कि पात्र किसानों के लिए प्राथमिकता के आधार पर खेत तालाब स्वीकृत किए जाएं।

कलेक्टर ने देवगढ़ क्षेत्र में निर्माणाधीन अमृत सरोवर के कार्य का भी निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता को संतोषजनक न पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अमृत सरोवर के स्लोपिंग एवं पिचिंग कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बंड (तटबंध) के आसपास अनावश्यक खुदाई न की जाए, जिससे संरचना की मजबूती प्रभावित न हो।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अमृत सरोवर का निर्माण कार्य समयसीमा में पूर्ण करते हुए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि यह जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन में प्रभावी भूमिका निभा सके।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री भास्कर गाचले एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भुवानीखेड़ा प्रीमियर लीग 23 से, आईपीएल की तर्ज पर 6 टीमें दिखाएंगी दम

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ ग्राम भुवानीखेड़ा में भवानी क्रिकेट क्लब के तत्वावधान मे इस वर्ष भी भुवानीखेड़ा प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। 23 अप्रैल से शुरू होने वाले इस रात्रिकालीन टूर्नामेंट को आईपीएल की तर्ज पर आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 6 टीमें भाग लेंगी, जिनमें भैरव किंग्स, भवानी लायंस, सरपंच ऑफ भुवानीखेड़ा, बीके थांडर राईडर्स, स्टार क्लब भुवानीखेड़ा, भवानी योद्धास, मुकाबले गांव के गवर्नमेंट स्कूल ग्राउंड के में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में विजेता टीम को शरदसिंह सिसोदिया की ओर से 31 हजार रुपए का प्रथम पुरस्कार दिया जाएगा। जबकि उपविजेता को 11 हजार रुपए का इनाम पूर्व सरपंच शिवालाल जी भाभर द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा मैन ऑफ द सीरीज, मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बॉलर, बेस्ट बल्लेबाज और बेस्ट फील्डर जैसे पुरस्कार भी दिए जाएंगे। यह जानकारी सिर्वी समाज के युवा प्रदेश सचिव विशाल सिर्वी ने बताई।

कलेक्टर ने लोक सेवा केंद्र थांदला का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज विकासखंड थांदला स्थित लोक सेवा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में संचालित विभिन्न सेवाओं एवं आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने आधार में संशोधन कराने आए आवेदकों से चर्चा कर उन्हें मिल रही सेवाओं की गुणवत्ता एवं शुल्क के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने आवेदकों से केंद्र द्वारा ली जा रही फीस के बारे में पूछताछ कर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने केंद्र के विभिन्न काउंटरों पर संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया तथा संबंधित कर्मचारियों से कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि केंद्र पर आने वाले आवेदकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने केंद्र में पेयजल एवं गर्मी को देखते हुए कूलर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी सेवाओं के निर्धारित शुल्क की सूची केंद्र में प्रमुख स्थान पर चस्पा की जाए, जिससे आमजन को शुल्क की जानकारी सहजता से प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में निर्धारित शुल्क से अधिक राशि नहीं ली जाए तथा सेवाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री भास्कर गाचले एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सिविल अस्पताल थांदला का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज सिविल अस्पताल थांदला का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल स्टाफ से परिचय प्राप्त किया तथा चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की जानकारी ली। वर्तमान में अस्पताल में 7 चिकित्सकों के कार्यरत होने की जानकारी दी गई।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान पीआईसीयू का अवलोकन किया, जहां वेंटिलेटर की कमी से अवगत कराया गया। उन्होंने इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही सिकल सेल एनीमिया की जांच हेतु सिकलिंग टेस्ट की सुविधा सिविल अस्पताल में उपलब्ध होने एवं एचएसबीसी टेस्ट जिला अस्पताल में कराए जाने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने सिविल अस्पताल स्तर पर ही एचएसबीसी टेस्ट प्रारंभ करने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर अस्पताल की समग्र व्यवस्थाओं को देखकर संतुष्ट नजर आए। उन्होंने ओपीडी पंजीयन प्रक्रिया को आभा आईडी आधारित बनाकर डिजिटाइज करने के निर्देश दिए, जिससे मरीजों को बेहतर एवं सुव्यवस्थित सेवाएं प्रदान की जा सकें।

कलेक्टर ने थांदला में उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण, किसानों ने साफा पहनाकर किया स्वागत

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज विकासखंड थांदला स्थित मध्यप्रदेश स्टेट वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के गोदाम परिसर में संचालित गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर जारी खरीदी प्रक्रिया, किसानों की सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर को अवगत कराया गया कि केंद्र पर कुल 129 स्लॉट बुकिंग के विरुद्ध 72 स्लॉट पर गेहूं की खरीदी पूर्ण की जा चुकी है तथा शेष स्लॉट के अनुसार खरीदी कार्य प्रगति पर है। कलेक्टर ने उपस्थित किसानों से संवाद कर उपार्जन प्रक्रिया में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस पर किसानों ने बताया कि स्लॉट बुकिंग में किसी प्रकार की समस्या नहीं है तथा उपार्जन कार्य सुचारू रूप से संचालित हो रहा है।

कलेक्टर ने केंद्र पर किसानों के लिए आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से गर्मी के मौसम को देखते हुए छाया एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर के केंद्र पर पहुंचने पर किसानों ने उत्साहपूर्वक साफा पहनाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री भास्कर गाचले एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनगणना प्रशिक्षण, तहसील भवन और अंगूर की खेती का किया निरीक्षण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जनगणना 2027 के अंतर्गत दोराहा तहसील में चल रहे चार्ज अधिकारियों एवं प्रगणकों के प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे पूरी गंभीरता, सटीकता और पारदर्शिता के साथ संपन्न किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करें और ताकि जनगणना का कार्य पूर्णतः सटीक और शुद्ध हो। उन्होंने कहा कि स्वगणना के पश्चात प्रारंभ होने वाली मकानों की गणना में प्रगणकों द्वारा प्रत्येक मकान और परिवार की जानकारी सही तरीके से दर्ज की जाए तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि न होने पाए।

कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने कहा कि जनगणना देश के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े शासन की नीतियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर भविष्य की विकास योजनाएं तैयार की जाती हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों और नागरिकों से जनगणना में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। कलेक्टर ने कहा कि सटीक जानकारी से ही सही योजनाओं का क्रियान्वयन संभव है।

कलेक्टर ने शासकीय सीनियर कन्या उत्कृष्ट छात्रावास थांदला का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने विकासखंड थांदला स्थित शासकीय सीनियर कन्या उत्कृष्ट छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास की विभिन्न व्यवस्थाओं का सूक्ष्म अवलोकन करते हुए छात्राओं से सीधा संवाद स्थापित किया।

कलेक्टर ने रसोईघर एवं भोजन कक्ष का निरीक्षण कर वहां की साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता एवं निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन वितरण की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से भोजन की गुणवत्ता, नियमितता एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में चर्चा की तथा आवश्यक सुधार हेतु निर्देश दिए।

इसके पश्चात कलेक्टर ने बोर्ड पर प्रदर्शित वार्षिक बजट से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए छात्राओं से चर्चा कर उपलब्ध संसाधनों एवं सुविधाओं के बारे में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने विगत वर्ष छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण पर नहीं ले जाए जाने की जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस वर्ष छात्राओं को अनिवार्य रूप से शैक्षणिक भ्रमण कराया जाए, जिससे उनके ज्ञान एवं अनुभव में वृद्धि हो सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्राओं की उपस्थिति की स्थिति भी जानी। कुछ छात्राओं के अनुपस्थित पाए जाने पर उन्होंने उन्हें नियमित रूप से छात्रावास में उपस्थित रहने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए, ताकि उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो।

कलेक्टर ने छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनके भविष्य एवं करियर योजनाओं के बारे में भी चर्चा की। इस दौरान कई छात्राओं ने डॉक्टर बनने की इच्छा व्यक्त की, जिस पर कलेक्टर ने उन्हें लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर निरंतर अध्ययन करने एवं अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।

श्रम योगी मानधन योजना से असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा श्रम योगी मानधन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना श्रमिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने एवं उनके भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे श्रमिक, जिनकी मासिक आय 15,000 रुपये या उससे कम है तथा जिन्हें ई.पी.एफ., एन.पी.एस. या ई.एस.आई.सी. जैसी किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है, उनका पंजीयन किया जाता है।

इस योजना में श्रमिक द्वारा निर्धारित अंशदान राशि का नियमित भुगतान किया जाता है, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा भी समान अंशदान दिया जाता है। आयु के अनुसार यह अंशदान राशि प्रतिमाह 55 रुपये से 200 रुपये तक निर्धारित है। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर हितग्राही को आजीवन प्रतिमाह 3,000 रुपये की पेंशन प्रदान की जाती है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है।

जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना अंतर्गत 2,91,917 हितग्राही पंजीकृत हैं, वहीं म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की योजनाओं के तहत 68,578 हितग्राही पंजीकृत हैं। इस प्रकार झाबुआ जिले में कुल 3,60,495 असंगठित श्रमिक पंजीकृत हैं। श्रम योगी मानधन योजना के अंतर्गत पंजीयन कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) के माध्यम से किया जा रहा है। पात्र श्रमिकों से अपील की गई है कि वे योजना का लाभ उठाकर अपने भविष्य को सुरक्षित करें।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समयावधि एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक कलेक्टर सभाकक्ष में प्रातः 10 बजे आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने सर्वप्रथम 21 अप्रैल के उपलक्ष्य में सभी अधिकारियों को सिविल सेवा दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि लोक सेवकों का दायित्व है कि सुशासन की स्थापना सुनिश्चित की जाए, जिसके लिए शिकायतों का समयबद्ध निराकरण, सेवाओं की प्रभावी डिलीवरी तथा शासन एवं जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करना आवश्यक है।

बैठक में कलेक्टर ने सीएम हाउस में लंबित शिकायतों की समीक्षा की। साथ ही जिला पंचायत स्तर पर लंबित शिकायतों के प्रकरणों में प्रतिवेदन प्राप्त होने के बावजूद जवाब प्रेषित नहीं किए जाने पर कलेक्टर ने जिला पंचायत कार्यालय के शिकायत प्रभारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त सीएम मॉनिट, सीएस मॉनिट एवं सीपीग्राम पोर्टल पर लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश भी दिए गए।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान जिले की रैंक 27 होने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निकृष्ट प्रदर्शन करने वाले डी श्रेणी के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों के वेतन रोकने के निर्देश जिला कोषालय अधिकारी को दिए, जब तक कि उनका प्रदर्शन संतोषजनक न हो जाए। साथ ही बी एवं सी श्रेणी के अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आगामी 30 अप्रैल तक 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों के अनिवार्य निराकरण के निर्देश भी दिए।

वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त नए आवेदनों के संबंध में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ग्राम स्तरीय समिति, अनुविभागीय समिति एवं जिला स्तरीय समिति के माध्यम से तीन माह की समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

जनसुनवाई में साहूकारों से संबंधित विवादों के मामलों पर कलेक्टर ने बैंकों से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के सीईओ ने बताया कि सहकारी बैंकों की शाखाओं द्वारा चांदी के मूल्य का 75 प्रतिशत तक ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिस पर 10 प्रतिशत प्रति तिमाही की दर से ब्याज लिया जाता है। साथ ही एक दिन में चांदी की जांच कर अगले दिन ऋण उपलब्ध कराने की सुविधा भी दी जाती है। कलेक्टर ने इस सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत सेवाओं की समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी लोक सेवा केंद्रों को व्यवस्थित किया जाए तथा एसडीएम द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाए। किसी भी सेवा के लिए निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूले जाने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

बैठक में कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत चल रहे कार्यों की भी समीक्षा की। डग वेल रिचार्ज कार्यों की प्रगति मात्र 37 प्रतिशत होने पर उन्होंने इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। अमृत सरोवर के कार्यों की धीमी प्रगति पर सीईओ जनपद से देरी के कारण प्रस्तुत करने को कहा।

उपार्जन व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कलेक्टर को अवगत कराया गया कि किसानों का पंजीयन 7166, खरीदी 1165 तथा स्लॉट बुकिंग 2988 की गई है। स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को किसानों से सतत संपर्क बनाए रखने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मण्डलोई, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षयसिंह मरकाम, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एवं मेघनगर, डिप्टी कलेक्टर्स सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवा संगम रोजगार मेले में 50 युवाओं का चयन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की रोजगारोन्मुखी योजना के अंतर्गत, बड़वानी जिले के युवाओं को करियर के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बड़वानी द्वारा 21 अप्रैल को श्युवा संगमश् रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले में तकनीकी और गैर-तकनीकी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों ने हिस्सा लिया। वॉल्वो आयशर रही आकर्षण का केंद्र मेले में ऑटोमोबाइल जगत की जानी-मानी कंपनी वॉल्वो आयशर, पीथमपुर विशेष आकर्षण का केंद्र रही। स्वीडन की उन्नत तकनीक और भारतीय विश्वसनीयता के समन्वय वाली इस कंपनी ने युवाओं के कौशल का परीक्षण कर सबसे अधिक 25 उम्मीदवारों का चयन किया। चयनित युवाओं को न केवल आकर्षक वेतनमान मिलेगा, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्य वातावरण में आधुनिक ऑटोमोबाइल तकनीक सीखने और प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर भी प्राप्त होगा। अन्य कंपनियों में भी हुआ चयन जिला रोजगार अधिकारी श्री केतन मालवीय ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले में कुल 70 युवाओं ने अपना पंजीयन कराया था। साक्षात्कार और योग्यता परीक्षण के उपरांत सभी 50 उम्मीदवारों को विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रारंभिक रूप से चयनित कर लिया गया है।

ग्राम जयसिंहपुरा में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एसडीएम नीमच श्री संजीव साहू ने सोशल मीडिया में प्रसारित ग्राम जयसिंहपुरा, तहसील नीमच नगर में अतिक्रमण हटाने के दौरान आगजनी की घटना के संबंध में वस्तुस्थिति स्पष्ट की है। एसडीएम नीमच श्री संजीव साहू ने बताया कि न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील नीमच नगर के प्रकरण क्रमांक 0002/अ-68/2024-25, आदेश दिनांक 22.11.2024 द्वारा ग्राम जयसिंहपुरा के सर्वे नंबर 384/1/1 रकबा 1.997 हे. मद बर्डी शासकीय भूमि में अतिक्रमित रकबा 0.061 हे. पर अतिक्रमणकर्ता गोपाल जाटव पिता प्रमुलाल जाटव के विरुद्ध बे-दखली आदेश पारित किया गया था। तद्समय स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रशासनिक टीम द्वारा उक्त आदेश के पालन में अतिक्रमण हटाया गया था।

उक्त आदेश के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उपखण्ड नीमच के न्यायालय में अपील प्रस्तुत की गई, जिसके अपीलीय प्रकरण क्रमांक 0164/अपील/2024-25 पर पंजीबद्ध होकर नायब तहसीलदार नीमच नगर के आदेश को स्थिर रखा गया। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के अपीलीय प्रकरण के विरुद्ध न्यायालय अपर कलेक्टर जिला नीमच के न्यायालय में निगरानी प्रस्तुत की गई, जो प्रकरण क्रमांक 003/निगरानी/2025-26 पर पंजीबद्ध होकर न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी नीमच व नायब तहसीलदार नीमच नगर के आदेश को यथावत रखा गया। अतिक्रमणकर्ता द्वारा एक बार अतिक्रमण हटाए जाने के उपरांत पुनः अतिक्रमण करने से सिविल जेल की कार्यवाही की गई, किंतु अतिक्रमण नहीं हटाया गया। चूंकि अतिक्रमित स्थल पर पंचायत के सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है तथा विगत एक वर्ष से अधिक समय से अतिक्रमणकर्ता गोपाल जाटव एवं उनके परिवार द्वारा बार-बार अतिक्रमण किए जाने से निर्माण में विलंब हो रहा था। अतः 22. अप्रैल2026 को तहसीलदार नीमच नगर, नायब तहसीलदार नीमच नगर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नीमच, थाना प्रभारी बघाना, पंचायत एवं राजस्वकर्मी की टीम को अतिक्रमण हटाने हेतु भेजा गया। टीम की उपस्थिति में मौके से शांतिपूर्ण तरीके से अतिक्रमणकर्ता का सामान हटाकर भूमि अतिक्रमण मुक्त करवाई गई। यह भी पाया गया कि अतिक्रमण की गई भूमि से लगकर गोपाल जाटव का पी.एम. आवास निर्मित है तथा परिवार निवासरत है, जिसे नहीं हटाया गया है। मौके पर प्रशासनिक टीम द्वारा अतिक्रमण स्थल पर निर्मित झोपड़ी के सभी सामान को बाहर निकालकर सुरक्षित रखा गया तथा झोपड़ी खाली करवाई गई। झोपड़ी खाली करवाने के पश्चात अचानक गोपाल जाटव की बेटी ममता द्वारा पीछे से खाली झोपड़ी में आग लगा दी गई। चूंकि झोपड़ी पॉलीथिन से निर्मित थी, जिसके कारण पूरी झोपड़ी ने तत्काल आग पकड़ ली, किंतु प्रशासकीय अमले द्वारा तत्परतापूर्वक आग बुझा दी गई। मौके पर किसी प्रकार के सामान नुकसानी अथवा अन्य कोई नुकसानी की घटना कारित नहीं हुई व उक्त भूमि को सामुदायिक भवन निर्माण हेतु ग्राम पंचायत को सुपुर्दगी में दे दी गई हैं। एसडीएम नीमच श्री संजीव साहू ने बताया कि मीडिया के माध्यम से यह तथ्य संज्ञान में आया है कि श्री नानुराम जाटव की मृत्यु को अतिक्रमण हटाने की घटना से जोड़ा जा रहा है। किंतु मौके पर अतिक्रमण हटाने के दौरान श्री नानुराम जाटव उपस्थित नहीं थे, प्राप्त जानकारी अनुसार उनकी मृत्यु ग्राम झांझरवाड़ा में स्वास्थ्य खराब होने से हुई, जिसका अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही से कोई संबंध नहीं है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सिलेंडर संकट पर फूटा गुस्सा: गैस एजेंसी के बाहर हंगामा, सड़क पर उतरे उपभोक्ताओं ने किया चक्काजाम

ब्लैक में बिक्री और बाउंसरों की मारपीट के आरोप, नई सड़क पर घंटों थमा ट्रैफिक—पुलिस की समझाइश के बाद खुला जाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शादियों के सीजन के बीच रसोई गैस की किल्लत ने अब सड़कों पर उबाल ला दिया है। बहादुरगंज स्थित शिप्रा गैस एजेंसी पर मंगलवार को उस वक्त हालात बेकाबू हो गए, जब सिलेंडर नहीं मिलने से परेशान उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे गया। गुस्साए लोगों ने पहले एजेंसी परिसर में हंगामा किया, फिर नई सड़क पर उतरकर चक्काजाम कर दिया। सड़क के बीच खाली सिलेंडर रखकर प्रदर्शन करते हुए उपभोक्ताओं ने हाय-हाय और मुर्दाबाद के नारे लगाए, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि बिजली घर चौराहे के पास दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने हालात संभालने की कोशिश की, लेकिन आक्रोशित भीड़ एजेंसी का लाइसेंस निरस्त करने की मांग पर अड़ी रही। काफी मशक्कत और समझाइश के बाद जाम खुल सका।

एक माह से चक्कर, फिर भी खाली हाथ - प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं का कहना है कि वे पिछले कई दिनों से गैस एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें टाल दिया जाता है।

आशिया नामक उपभोक्ता ने आरोप लगाया कि एक महीने से सिलेंडर नहीं मिला। उल्टा धक्का देकर बाहर निकाल दिया गया और कहा जाता है इंडक्शन चलाओ।

बाउंसरों पर मारपीट के आरोप, वीडियो भी वायरल- हंगामे के दौरान कुछ उपभोक्ताओं ने एजेंसी के बाउंसरों पर मारपीट करने के आरोप लगाए। बताया जा रहा है कि इस घटना से जुड़े कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें कथित झड़प के दृश्य दिखाई दे रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं का आक्रोश और भड़क गया।

वहीं दीपेश ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं दिया जा रहा, बल्कि ब्लैक में बेचा जा रहा है। विरोध करने पर बाउंसरों द्वारा मारपीट की जाती है।

दिव्यांग उपभोक्ता नंदकिशोर ने भी अपनी पीड़ा जताते हुए कहा कि हर दिन काम छोड़कर आता हूं, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिलता है। मेरे साथ धक्का-मुक्की भी की गई।

एजेंसी संचालक ने आरोपों को बताया निराधार- दूसरी ओर, एजेंसी संचालक सुनील कछवाय ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सभी उपभोक्ताओं को नियमानुसार सिलेंडर दिए जा रहे हैं। उल्टा कुछ उपभोक्ताओं ने हमारे कर्मचारियों और बाउंसरों के साथ मारपीट की है, जिसके वीडियो हमारे पास मौजूद हैं।

पुलिस बोली, शिकायत मिले तो होगी कार्रवाई - कोतवाली थाना प्रभारी डीबीएस तोमर ने बताया कि अब तक किसी भी पक्ष ने लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है। शिकायत मिलने पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शादी सीजन और अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर - गौरतलब है कि शादी-ब्याह के सीजन में गैस की मांग अचानक बढ़ जाती है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही उठापटक के कारण आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका भी जताई जा रही है। ऐसे में शहर में सिलेंडर की किल्लत ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

दिवंगत आरक्षक का 7 वर्षीय पुत्र वंश बना बाल आरक्षक

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच के आरक्षक का अल्प आयु में गंभीर बीमारी से निधन होने पर उज्जैन एसपी द्वारा दिवंगत आरक्षक के 7 वर्षीय पुत्र वंश को बाल आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। 12 जून 2025 कोबजिला नीमच के आरक्षक क्रमांक-525 स्वर्गीय मयंक गिरवाल का 32 वर्ष की अल्पायु में गंभीर बीमारी के कारण असामयिक निधन हो गया था। स्वर्गीय गिरवाल अपने कर्तव्यनिष्ठ एवं अनुशासित सेवाकाल के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, साथ ही आजीविका का संकट भी उत्पन्न हो गया। परिवार की आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए उनकी पत्नी अर्चना गिरवाल द्वारा अपने सात वर्षीय पुत्र वंश गिरवाल को बाल आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किए जाने के लिए पुलिस अधीक्षक, जिला नीमच के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया। किन्तु जिला नीमच में उक्त पद रिक्त न होने के कारण यह प्रकरण लंबित रहा। उक्त प्रकरण की गंभीरता को समझते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, उज्जैन जोन, उज्जैन द्वारा संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दिनांक 8 मई 2026 को प्रकरण को पुलिस अधीक्षक, जिला उज्जैन को अग्रेषित किया गया। बुधवार को स्वर्गीय आरक्षक का परिवार उज्जैन उपस्थित हुआ, जहां उन्होंने भर्ती संबंधी समस्त आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कीं। उसी दिन पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश, भोपाल के उज्जैन प्रवास के कारण अत्यधिक प्रशासनिक व्यस्तताएं होने के बावजूद इस प्रकरण को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की गई। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा विशेष रुचि लेते हुए स्वर्गीय आरक्षक की पत्नी अर्चना गिरवाल एवं कार्यालय के स्थापना लिपिक नितिन वर्मा को पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय, उज्जैन में बुलाया गया। जहां समस्त प्रक्रिया पूर्ण कर बाल आरक्षक पद पर अनुकंपा नियुक्ति आदेश पर हस्ताक्षर कर तत्काल प्रदान किया गया।

100 दिवसीय निक्षय शिविर के अंतर्गत ग्राम बघेरा विकासखण्ड तराना में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ. अशोक कुमार पटेल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के 100 दिवसीय निक्षय शिविर के अंतर्गत उज्जैन जिले में 24 मार्च से आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इस परिपालन में 22 अप्रैल को उच्च जोखिम वाले ग्राम बघेरा तहसील तराना में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम पंचायत के सरपंच उपस्थित रहे। शिविर में टीबी, एचआईव्ही, ब्लड शुगर, बीपी, हिमोग्लोबिन आदि की जांच की गई। उक्त शिविर में लगभग 92 आमजनों / हितग्राहियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया तथा 43 चेस्ट एक्सरे हैंड हेल्ड एक्सरे मशीन द्वारा किए गए।

घायल की मौत पर निजी अस्पताल में परिजनों का हंगामा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दुर्घटना में घायल को एम्बुलेंस निजी अस्पताल लेकर पहुंची। परिजनों के आने पर घायल युवक से बातचीत की गई लेकिन कुछ घंटे बाद ही युवक की मौत हो गई परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने मामले में जांच का आश्वासन दिया है। मृतक युवक का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा है कि उन्हेल के ग्राम करनावद में रहने वाला प्रताप पिता शंकर लाल अंजना 20 साल रिश्तेदार के यहां ग्राम तालोद में आयोजित गोद भाई के कार्यक्रम में आया था। रात में वापस लौटते समय लाल गेट के समीप अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची घायल को शासकीय अस्पताल लाया जाना था लेकिन उसे एंबुलेंस चालक फ्रीगंज स्थित माधव नगर थाने के सामने निजी अस्पताल लेकर पहुंच गया। परिजन रात 2 बजे सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचे और घायल प्रताप से बातचीत की उसकी हालत सामान्य दिखाई दे रही थी लेकिन कुछ देर बाद अस्पताल स्टाफ ने परिवार को आईसीयू कक्ष से बाहर कर दिया। तड़के 4 बजे परिजनों ने फिर से मिलने का प्रयास किया, लेकिन आईसीयू कक्ष का दरवाजा नहीं खोला गया। काफी देर बाद दरवाजा खोला गया तो प्रताप की सांस थम चुकी थी उसे वेंटिलेटर पर ले जाया गया लेकिन वेंटिलेटर भी बंद था। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का कहना था कि अस्पताल द्वारा हाई डोज दिया गया है जिसके चलते उसकी मौत हुई है। बुधवार सुबह मामले की जानकारी लगने पर पुलिस अस्पताल पहुंची इस दौरान परिजनों का कहना था कि अस्पताल के खिलाफ सख्त कार्रवाई होने पर ही पोस्टमार्टम कराया जाएगा। दोपहर 12 बजे तक निजी एमपी अस्पताल में हंगामा जारी था पुलिस ने जांच का आश्वासन देकर शव पोस्टमार्टम के लिए चरक अस्पताल पहुंचाया।

महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ठंडे पानी का टैंकर भेंट किया

मुंबई के श्रद्धालु अमित पांचाल की पहल, मंदिर समिति ने किया सम्मान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में इन दिनों बढ़ती गर्मी के बीच श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मुंबई निवासी श्रद्धालु अमित पोपटलाल पांचाल ने ठंडे पेयजल की व्यवस्था करने हेतु ठंडे पानी का टैंकर वाहन सहित भेंट किया है।

उल्लेखनीय है कि गर्मी के मौसम में जब तापमान लगातार बढ़ रहा है, तब महाकाल दर्शन के लिए दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को अक्सर पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह दान न केवल राहत देने वाला कदम है, बल्कि सामाजिक सरोकार और श्रद्धा का भी प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है।

दान किए गए इस विशेष टैंकर के माध्यम से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में जरूरतमंद श्रद्धालुओं को ठंडा पानी आसानी से उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को काफी सुविधा मिलेगी।

इस पुनीत कार्य के लिए महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक प्रतीक द्विवेदी ने दानदाता अमित पांचाल का स्वागत करते हुए उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के योगदान से समाज में सेवा और सहयोग की भावना को बल मिलता है तथा अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है।

नियमित टीकाकरण के अन्तर्गत शासन द्वारा निर्मला हॉस्पिटल में उपलब्ध कराई बच्चों के लिए निःशुल्क टीकाकरण की सुविधा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन शहर के प्रायवेट हॉस्पिटल, निर्मला हॉस्पिटल, देवासरोड, उज्जैन में नियमित टीकाकरण के अन्तर्गत जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों का निशुल्क टीकाकरण प्रारंभ किया गया है। यहां पर प्रति बुधवार व शनिवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक निशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। यहां पर शासन द्वारा निर्धारित टीकाकरण सारणी अनुसार समस्त टीके निःशुल्क लगाए जाएंगे। इस अवसर पर डॉ. रवींद्र कुमार पाल जिला टीकाकरण अधिकारी, निर्मला हॉस्पिटल के संचालक फादर जोबीश मानुपल, डॉ. नीलम चार्ल्स, स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. संध्या चार्ल्स, जिला टीकाकरण टैक्नीशियन श्री नरेन्द्र परमार, टीकाकरण डाटा मैनेजर श्री बालकृष्ण शर्मा सहित विभिन्न नागरिक उपस्थित थे।

महाकाल के दरबार पहुंचे सांसद रवि किशन, दर्शन किए

कहा— बाबा महाकाल के दर्शन से जीवन धन्य होता है, गोरखपुर सहित पूरे देश के लिए मांगी सुख-समृद्धि

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता और गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने आज मंगलवार को भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए। मंदिर पहुंचकर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

नंदी हाल में दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में सांसद और अभिनेता रवि किशन ने कहा कि जब-जब उन्हें अवसर मिलता है, वे बाबा महाकाल के दरबार में जरूर आते हैं। यहां आकर मन को शांति मिलती है और जीवन धन्य हो जाता है। उन्होंने कहा कि उज्जैन की पवित्र धरती पर स्थित महाकाल मंदिर की महिमा अद्भुत है। उन्होंने बताया कि भगवान महाकाल के दर्शन कर उन्होंने गोरखपुर की जनता सहित पूरे देश के लिए सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है। उन्होंने देश में खुशहाली और प्रगति की प्रार्थना भी की। मंदिर परिसर में दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ रही और सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सांसद रवि किशन के आगमन पर महाकाल मंदिर समिति की ओर से उनका सत्कार किया गया।

नाबालिग का विवाह रुकवाने वाले युवक के साथ हुई मारपीट

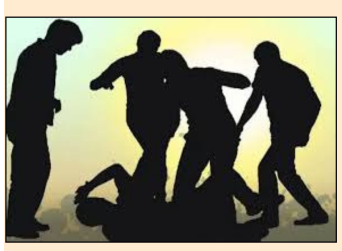

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामूहिक सम्मेलन में हो रही नाबालिग की शादी की शिकायत युवक द्वारा महिला बाल विकास आयोग को की गई। नाबालिग का विवाह रोक दिया गया। इसी बात पर परिजनों ने शिकायत करने वाले युवक को नाबालिग के माध्यम से बुलाया और उसके साथ बुरी तरह मारपीट की। पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया है। इंदौर रोड स्थित ग्राम नवाखेड़ा में रहने वाली नाबालिग का विवाह परिजनों द्वारा पीथमपुर में आयोजित सामूहिक सम्मेलन में किया जा रहा था, मंगलवार को विवाह होना था, इससे पहले ही महिला बाल विकास आयोग की टीम पहुंच गई। जांच में मामला सही पाया गया और नाबालिग का विवाह रुकवा दिया गया। विवाह रुकने पर नाबालिग के परिजन आक्रोशित हो गए उन्हें जानकारी मिली कि महिला आयोग को शिकायत बापू नगर में रहने वाले सीताराम पिता राजीव दास मालवीय द्वारा की गई थी। रात में परिजनों ने दबाव बनाकर नाबालिग के माध्यम से सीताराम को तपोभूमि के समीप मिलने के बहाने बुलवाया। सीताराम अपने दोस्त विशाल के साथ तपोभूमि पहुंचा जहां पर नाबालिग के परिजन मिले उन्होंने सीताराम और विशाल के साथ मारपीट की उसके बाद सीताराम को अपनी गाड़ी में बैठ कर ग्राम नवाखेड़ा ले गए, जहां पूरे परिवार ने मिलकर उसे बुरी तरह पीटा और घायल होने पर डायल 112 को कॉल कर आरोप लगाते हुए घायल सीताराम को अस्पताल पहुंचा दिया। रात में ही पुलिस ने जांच शुरू की घायल के बयान दर्ज किए गए जिसमें बाल विवाह रुकवाने पर मारपीट होने की बात सामने आते ही सीताराम की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया। घायल सीताराम का आरोप था कि उसे अगवा करने वाला नाबालिक का भाई राजा और काका का लड़का गौरव सरगरा शामिल थे। गांव में महिलाओं द्वारा मारपीट की गई। मामले में पुलिस का कहना था कि जल्द ही मारपीट करने वालों को गिरफ्तार कर विवेचना शुरू की जाएगी।

एलिवेटेड रोड पर हाईकोर्ट का ब्रेक: 27 अप्रैल तक यथास्थिति, सरकार से जवाब तलब

150 से ज्यादा दुकानों पर संकट, व्यापारियों की याचिका पर कोर्ट सख्त, कहा—पहले पक्ष रखें, फिर आगे बढ़ेगा मामला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत प्रस्तावित दो बड़े एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट पर फिलहाल हाईकोर्ट ने रोक जैसा अंकुश लगा दिया है। इंदौर गेट क्षेत्र के प्रभावित व्यापारियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने शासन से एक सप्ताह में जवाब मांगा है और तब तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी, जिस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

सोमवार को हाईकोर्ट की कोर्ट नंबर 10 में न्यायाधीश प्रणव वर्मा के समक्ष सुनवाई हुई। चूंकि शासन पहले ही केवियट दाखिल कर चुका था, इसलिए कोर्ट ने एकतरफा आदेश देने के बजाय सरकार का पक्ष सुनना जरूरी समझा। शासन की ओर से अधिवक्ता भाग्यश्री गुप्ता को नोटिस जारी करते हुए स्पष्ट कहा गया कि अगली सुनवाई तक किसी भी प्रकार की स्थिति में बदलाव न किया जाए।

150 से ज्यादा दुकानों पर मंडरा रहा खतरा- उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ के मद्देनजर शहर में ट्रैफिक सुधार के लिए दो अलग-अलग एलिवेटेड रोड प्रस्तावित हैं। इनमें इंदौर गेट से जुड़े क्षेत्र की करीब 150 से अधिक दुकानें प्रभावित हो रही हैं। व्यापारियों का कहना है कि यदि यह प्रोजेक्ट वर्तमान स्वरूप में लागू हुआ तो उनकी रोजी-रोटी पूरी तरह खत्म हो जाएगी। इसी के विरोध में इंदरमल जैन, मनोज जैन, विवेक ठाकुर सहित अन्य व्यापारियों ने एडवोकेट पीयूष माथुर के माध्यम से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिका में साफ कहा गया है कि विकास के नाम पर हजारों लोगों को बेरोजगार करना न्यायसंगत नहीं है।

स्थायी लोगों को उजाड़कर अस्थायी आयोजन क्यों- याचिकाकर्ता विवेक ठाकुर ने कहा कि वर्ष 2011 में सड़क चौड़ीकरण के दौरान वे पहले ही अपनी दुकानों का बड़ा हिस्सा प्रशासन को दे चुके हैं। अब एलिवेटेड रोड के लिए पूरी दुकानें ही खत्म करने की बात हो रही है, जिससे लगभग 3 हजार लोगों के रोजगार पर संकट खड़ा हो जाएगा।

उन्होंने सवाल उठाया कि अस्थायी सिंहस्थ आयोजन के लिए स्थायी व्यापारियों को सड़क पर लाना कहां तक उचित है? व्यापारियों ने वैकल्पिक सुझाव भी दिया है कि यदि सड़क चौड़ी करना जरूरी है तो रेलवे की जमीन का उपयोग किया जा सकता है।

और भी व्यापारी पहुंचे अदालत- इस मुद्दे ने अब व्यापक रूप ले लिया है। आनंद माहेश्वरी, सुनील कुमार जैन सहित करीब 15 अन्य व्यापारियों ने भी सीनियर एडवोकेट अजय कुमार बागड़िया के जरिए अलग याचिका दायर की है। वहीं होटल एटलस, सतीश टायर्स और सिद्धार्थ ऑटोमोबाइल से जुड़े पक्षकारों ने भी एडवोकेट जगदीश बाहेती के माध्यम से कोर्ट में अपनी बात रखी है।

क्या है पूरा एलिवेटेड रोड प्लान -लोक निर्माण विभाग के सिंहस्थ डिवीजन द्वारा तैयार इस योजना के तहत दो एलिवेटेड रोड प्रस्तावित हैं

-पहला- मकोड़ियाआम (इंदिरानगर चौराहा) से हरिफाटक ओवरब्रिज तक, लगभग 3.5 किमी लंबा फोरलेन ब्रिज

-दूसरा- निकास चौराहा से नई सड़क, फव्वारा चौक, दौलतगंज होते हुए इंदौर गेट तक, 1.732 किमी लंबा टू-लेन ब्रिज

-दोनों प्रोजेक्ट की कुल अनुमानित लागत 416.37 करोड़ रुपए आंकी गई है और टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है।

सरकार का तर्क, ट्रैफिक से मिलेगी राहत- सरकार का मानना है कि शहर के तेजी से फैलते दायरे और बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए यह प्रोजेक्ट जरूरी है। एलिवेटेड रोड बनने से शहर के कई प्रमुख चौराहों जैसे गदापुलिया, इंदौर गेट, देवास गेट, चामुंडा माता चौराहा, दौलतगंज पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी और यातायात सुगम होगा।

अब नजर 27 अप्रैल पर- फिलहाल कोर्ट के यथास्थिति आदेश ने परियोजना की रफ्तार थाम दी है। अब अगली सुनवाई में सरकार का पक्ष और व्यापारियों की दलीलों के आधार पर तय होगा कि विकास की इस राह पर आगे बढ़ना है या फिर इसे नए सिरे से परिभाषित करना होगा।

प्राणघातक हमले में शामिल 4 आरोपियों को भेजा जेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुरानी रंजीश में प्राण घातक हमला करने वाले 4 आरोपियों को 45 दिन बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पूर्व में चारों आरोपियों के 8 साथियों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी।

माकडोन थाना प्रभारी प्रदीपसिंह राजपूत ने बताया कि भगवतपुर में रहने वाले गुर्जर समाज के 2 पक्षों में वर्ष 2024 से रंजीश चली आ रही थी। 6 मार्च को दोनो पक्षों में गाली-गलौच होने पर एक पक्ष के 12 लोगों ने मिलकर दिनेश पिता इंदरसिंह गुर्जर 19 साल, हिन्दूसिंह पिता समंदरसिंह गुर्जर 80 साल और विनोद पिता इंदरसिंह गुर्जर 25 साल पर हथियार-लाठी से जानलेवा हमला कर दिया था। मामले में करणसिंह गुर्जर की शिकायत पर सोनू उर्फ सोहन पिता जगदीश, ईश्वर पिता रुगनाथ, घनश्याम पिता मानसिंह, आत्माराम पिता मानसिंह, मोकम पिता प्रहलाद, सचिन पिता होकम, तुफान पिता जगदीश, विष्णु पिता प्रहलाद, कालू पिता रुगनाथ, नाना उर्फ नरेन्द्र पिता जगदीश, भगत उर्फ देवीसिंह पिता मायाराम, और निर्भय उर्फ नाना उर्फ नरेंद्र पिता जगन्नाथ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की 8 संगीन धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था। 11 और 22 मार्च को 8 आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली गई थी। चार आरोपी आत्माराम, नाना उर्फ नरेन्द्र, तूफान और जगदीश उर्फ सीताराम फरार चल रहे थे। चारों को मंगलवार सुबह भगवतपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। दोपहर में चारों को न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया है।

विक्रम उद्योगपुरी में 40 करोड़ की अत्याधुनिक फैक्ट्री का ट्रायल रन शुरू

माइक्रोजेन हेल्थ केयर की नई यूनिट में 150 को मिलेगा सीधा रोजगार—आईसीयू-ओटी के लिए हाई लेवल डिसइन्फेक्टेंट अब देश में ही तैयार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उद्योगपुरी स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क में माइक्रोजेन हेल्थकेयर की नई यूनिट के ट्रायल रन के साथ ही शहर ने हेल्थकेयर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एक बड़ी छलांग लगाई है। यह यूनिट न केवल प्रदेश बल्कि देश को भी हाई लेवल डिसइन्फेक्टेंट के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगी।

करीब 40 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित यह अत्याधुनिक प्लांट आईसीयू और ऑपरेशन थिएटर जैसे अति संवेदनशील क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले उन्नत कीटाणुनाशकों का उत्पादन करेगा। अब तक इन उत्पादों के लिए मल्टीनेशनल कंपनियों पर निर्भरता बनी हुई थी, जिसे यह यूनिट काफी हद तक खत्म कर देगी। फैक्ट्री में हाई लेवल डिसइन्फेक्टेंट के साथ-साथ एडवांस स्टेरलाइजेशन सॉल्यूशंस, नेक्स्ट जनरेशन वुंड केयर प्रोडक्ट्स और ऑर्थोपेडिक इम्प्लांट्स जैसे अत्याधुनिक मेडिकल उत्पाद भी बनाए जाएंगे। इससे न केवल घरेलू जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि निर्यात के जरिए विदेशी बाजारों में भी उज्जैन की पहचान बनेगी। इस परियोजना का एक बड़ा सामाजिक पहलू भी सामने आया है। यूनिट के संचालन से लगभग 150 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, जबकि सप्लाई चेन और अन्य सेवाओं के जरिए सैकड़ों लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से काम मिलने की संभावनाएं हैं।एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक राजेश राठौड़ ने कंपनी की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि निर्धारित समयसीमा में निर्माण और ट्रायल रन शुरू करना उद्योग के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। वहीं, कंपनी के चेयरमैन दिलीप पारिक और डायरेक्टर डॉ. आर.के. फरीदी ने इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए उज्जैन को मेडिकल हब बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मेडिकल डिवाइस पार्क फुल, निवेशकों की पहली पसंद बना उज्जैन- विक्रम उद्योगपुरी का मेडिकल डिवाइस पार्क अब देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में शुमार हो चुका है। 360 एकड़ में विकसित इस पार्क के सभी 66 प्लॉट आवंटित हो चुके हैं, जिससे इसकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। वर्तमान में 18 अन्य कंपनियों के प्लांट निर्माणाधीन हैं, जिनमें से 8 इकाइयों में इसी वर्ष उत्पादन शुरू होने की संभावना है।अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, टेस्टिंग लैब्स और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण उज्जैन तेजी से मेडिकल इंडस्ट्री का नया हब बनकर उभर रहा है। आने वाले समय में यह क्षेत्र न केवल प्रदेश बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देने वाला केंद्र साबित हो सकता है।